पाठ्यचर्या

(Syllabus)

बी.ए. मानवविज्ञान

सत्र 2020 से लागू

विश्वविद्यालय द्वारा अधिमान्य LOCF पर आधारित

ज्ञान शान्ति मैत्री

मानवविज्ञान विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्याय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट – हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र – 442001

www.hindivishwa.org

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य(Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियमके प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2.विद्यापीठ के लक्ष्य (Targetsof the School)

3.विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	● उपाधि कार्यक्रम ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम ❖ स्नातक कार्यक्रम ✓ भारतीय संस्कृति के मूल्यों एवं मानवविज्ञान की अंतरानुशासनिक प्रकृति एवं उसके समग्रता के उपागम पर आधारित पाठ्यचर्या। साथ ही पाठ्यचर्या में मानवविज्ञान के नए क्षेत्रों पर विशेष बल। ✓ अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा।
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	विद्यार्थियों को क्षेत्रकार्य में दक्ष करना ताकि उनमें अनुसंधान की प्रवृत्ति और अकादमिक कौशल विकसित हो। साथ ही इससे रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
शोध **Research**	विभाग द्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department) ● चिकित्सा मानवविज्ञान ● विकासात्मक मानवविज्ञान ● साहित्य का मानवविज्ञान
	पी-एच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme) ● सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान ● मानव संसाधन प्रबंधन ● चिकित्सा मानवविज्ञान ● एथ्नोग्राफिक अध्ययन
	शोध-परियोजना (Research Project) ● मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य ● परंपरागत चिकित्सा एवं उपचार पद्धतियाँ
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	● कक्षा अध्यापन ● समूह चर्चा ● क्षेत्र सर्वे ● क्षेत्रकार्य ● सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	शोध एवं परियोजनाओं पर आधारित प्रकाशन

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग का नाम : मानवविज्ञान**

2. **पाठ्यक्रम का नाम : बी. ए.**

3. **पाठ्यक्रम कोड:** ANBA101-ANBA603

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• विषय की अंतरानुशासनिक प्रकृति एवं उसके समग्रता के उपागम से ज्ञान अर्जित होगा। • भारतीय संस्कृति के मूल्यों की समझ विकसित होगी। • मानवशास्त्रीय सिद्धांतों एवं उपागमों के अनुप्रयोगों से विषय के नए क्षेत्रों की पहचान होगी।	• मानवशास्त्रीय कौशल द्वारा विद्यार्थी सामाजिक समस्याओं एवं मुद्दों की पहचान करने में सक्षम होंगे। • विद्यार्थी मानवशास्त्रीय ज्ञान द्वारा सामाजिक समस्याओं का निराकरण करने मे सक्षम होंगे। • विद्यार्थी मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण द्वारा सुसंगत तर्कों से नीतियों एवं सिद्धांतों का मूल्यांकन करने में दक्ष होंगे।	• अकादमिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर • प्रशासनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर • विकास के क्षेत्र में रोजगार के अवसर • चिकित्सीय क्षेत्र में रोजगार के अवसर

5. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):**

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता **(अतिरिक्त अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	पर्यावरण **(अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार **(अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा **(अतिरिक्त अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भारतीय संस्कृति **(अनिवार्य-3)** 02 क्रेडिट	भारतीय चिंतक **(अनिवार्य-4)** 02 क्रेडिट
अनिवार्य (हिंदी)	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट
	समूह ख	**समूह ख**	**समूह ख**	**समूह ख**	**कोई एक चयनित विषय**	

विकल्प 1	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	09+ 09=18 क्रेडिट	
	समूह ग 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट		
विकल्प 2	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**18 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**
	कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट					

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	समूह-ख	समूह-ग	अनिवार्यपाठ्यचर्या	अतिरिक्त अनिवार्यपाठ्यचर्या*
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1. संस्कृत 2. मराठी 3. उर्दू 4. अंग्रेज़ी 5. फ्रांसीसी 6. स्पैनिश 7. जापानी 8. चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राजनीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र	1.पर्यावरण 2.भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3.भारतीय संस्कृति 4.भारतीय चिंतक	1.कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (*स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

1. **समूह-क** सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी **समूह-ख**एवं **समूह-ग**से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा **समूह-गमें उपरिलिखित विषयों में** से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में **समूह-ख**से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

बी.ए. मानवविज्ञान

बी.ए. मानवविज्ञान पाठ्यक्रम (2020-21)
सी.बी.सी.एस./एल.ओ.सी.एफ. (आधारित)

प्रथम सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA101	आधारभूत मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANBA102	आधारभूत सामाजिक – सांस्कृतिक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	02

द्वितीय सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA201	जैविक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANBA202	अस्थिविज्ञान में प्रायोगिकी	कोर कोर्स	02

तृतीय सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA301	सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANBA302	शरीरमिति में प्रायोगिकी	कोर कोर्स	02

चतुर्थ सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA401	पुरातात्विक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANBA402	पुरातात्विक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी	कोर कोर्स	02

पंचम सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA501	मानव संवृद्धि एवं विकास	कोर कोर्स	03
ANBA502	शोध पद्धतिशास्त्र	कोर कोर्स	03
ANBA503	मानवशास्त्रीय सिद्धांत	कोर कोर्स	03

षष्टम सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANBA601	भारत में जानजातियां एवं कृषक	कोर कोर्स	03
ANBA602	भारत में मानवविज्ञान	कोर कोर्स	03
ANBA603	क्षेत्रकार्य एवं क्षेत्र रिर्पोट	कोर कोर्स	03

28.10.20

बी.ए. मानवविज्ञान (प्रथम सेमेस्टर)

कोड: ANBA101- पाठ्यचर्या का नाम: आधारभूत मानवविज्ञान (क्रेडिट- 4)

घटक	**घंटे**
कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	8
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई- 1. मानवविज्ञान : मानवविज्ञान का अभिप्राय, विषय परिचय तथा अध्ययन क्षेत्र; मानवविज्ञान की शाखाएं: सामाजिक- सांस्कृतिक मानवविज्ञान, जैविक मानवविज्ञान, प्रागैतिहासिक मानवविज्ञान एवं भाषा विषयक मानवविज्ञान। मानवविज्ञान का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई- 2. आधारभूत सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान: संस्कृति एवं समाज की मानवशास्त्रीय अवधारणा। नृजातीयविज्ञान, नृजातिवर्णन, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन।

इकाई- 3. आधारभूत जैविक मानवविज्ञान: मानव उद्विकास (Human Evolution), मानव विभिन्नताएं (Human Variation) एवं प्रजाति (Race)।

इकाई- 4. आधारभूत प्रागैतिहासिक मानवविज्ञान: प्रागैतिहासिक संस्कृति की रूपरेखा। भाषाविषयक मानवविज्ञान की मूलभूत अवधारणायें।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी मानवविज्ञान के अध्ययन क्षेत्र तथा अंतरानुशासनिक प्रकृति से परिचित हो पाएंगे।
2. मानवविज्ञान की शाखाओं के अंतर्संबंधों को समझेंगे।
3. सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान, जैविक मानवविज्ञान, प्रागैतिहासिक मानवविज्ञान एवं भाषाविषयक मानवविज्ञान की मूलभूत अवधारणा को समझ पाएंगे।

3. पाठ्य चर्चा की अंतर्वस्तु (Contents of the course)

मॉडयूल संख्या	**विवरण**	**व्याख्यान**	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ**	**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्चाओं में प्रतिशत अंश**
मॉड्यूल 1	1.मानवविज्ञान का विषय परिचय तथा अध्ययन क्षेत्र 2.मानवविज्ञान की शाखाएं	12	1	2	15	25 %

	3.मानवविज्ञान का अंतरअनुशासनिक प्रकृति					
मॉड्यूल 2	1.समाज एवं संस्कृति 2.नृजातिविज्ञान एवं नृजातिवर्णन 3.सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन	12	1	2	15	25 %
मॉड्यूल 3	1.मानव उदविकास 2.मानव विभिन्नताएं 3. प्रजाति	12	1	2	15	25 %
मॉड्यूल 4	1.प्रागैतिहासिक संस्कृति 2.भाषाविषयक मानवविज्ञान की अवधारणा	12	1	2	15	25 %
योग		**48**	**4**	**8**	**60**	**100**

अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा
विधियाँ	कक्षा एवं विद्यार्थियों से संवाद
तकनीक	व्याख्यान
उपादान	दृशयात्मक, पुस्तकें एवं पी.पी.टी

5 पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम .(CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x					x	x

टिप्पणी:

1 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

28.10.20 28/10/2020

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार/ सन्दर्भ ग्रन्थ (Text Book/ Reference/ Resources)

1. Jermaine R, Kilgore L, Trevathan W, Ciochon R.L.(2012). Introduction to physical Anthropology, WadsWorth Publ., USA.
2. Krober A.L.(91948). Anthropology, Oxford& IBH Publishing CO., New Delhi.
3. Davis K. (1981). Human Society, New Delhi: Surjeet Publications.
4. Ember C.R. et al, (2011) Anthropology. New Delhi: Dorling Kindersley.

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA102	**पाठ्यचर्या का नाम: आधारभूत सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:01	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	2
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: सामाजिकएवं क्षेत्र मानवविज्ञान का अर्थ :तिक मानवविज्ञानसांस्कृ -; मानवविज्ञान विषय की शाखाएं; संस्कृति, समाज, समुदाय, समूह, परिवार, विवाह, धर्म, नातेदारी

इकाई 2: अर्थव्यवस्था और समाज: उत्पादन की प्रक्रियाएं एवं वितरण, सरल और जटिल समाज में विनिमय और उपभोग, राजनीतिक संस्थाएं, राज्य और राज्यविहीन समाज, सरल और जटिल समाज में कानून और न्याय

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी सामाजिकतिक मानवविज्ञानसांस्कृ -, उसके अर्थ एवं क्षेत्र और मानवविज्ञान विषय की शाखाओं के बारे में जानेंगे।
2. विद्यार्थी संस्कृति, समाज, समुदाय, समूह, परिवार, विवाह, धर्म, नातेदारी के बारे में जानेंगे।
3. वे अर्थव्यवस्था और समाज: उत्पादन की प्रक्रियाएं एवं वितरण, सरल और जटिल समाज में विनिमय और उपभोग के बारे में जानेंगे।
4. वे राजनीतिक संस्थाएं, राज्य और राज्यविहीन समाज, सरल और जटिल समाज में कानून और न्याय को समझेंगे

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		

मॉड्यूल 1	**1.** सामाजिक- सांस्कृतिक मानवविज्ञान: मानवविज्ञान का अर्थ एवं क्षेत्र; मानवविज्ञान विषय की शाखाएं 2. संस्कृति, समाज, समुदाय, समूह 3. धर्म 4. परिवार, विवाह, नातेदारी	**13**	**1**	**1**	**15**	**50%**
मॉड्यूल 2	1. अर्थव्यवस्था और समाज 2. उत्पादन की प्रक्रियाएं एवं वितरण 3.सरल और जटिल समाज में विनिमय और उपभोग, 5. राजनीतिक संस्थाएं, राज्य और राज्यविहीन समाज 6. सरल और जटिल समाज में कानून और न्याय	**13**	**1**	**1**	**15**	**50%**
योग		**26**	**2**	**2**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

3 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

4 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/
(Text books/Reference/Resources)

- Beattie, John (1964) Other Cultures . London: Routledge & Kegan Paul
- Evans-Pritchard EE (1937) :itchcrai, Oracles and Magic among the Azande. Oxford Clarendon Press
- Firth R (ed.) (1970) Themes in Economic Anthropology. Tavistock Publications, London
- Fortes, M. and E.E. Evans-Pritchard (1940) African Political Systems. London: Oxford University Press.
- Gluckman, M. (1965) Politics, Law and Ritual in Tribal Society. Oxford: Blackwell.
- Hasnain, Nadeem (1992) General Anthropology. Jawahar Publishers, New Delhi
- Herskovits M (1960) Economic Anthropology. Knopf, New York
- Leach, E. R. (1954) Political Systems of Highland Burma. London: Athlone
- Mair, Lucy (1962) Primitive Government. Indiana: Penguin Publishers.
- Majumdar, D. N. & T. N. Madan (1957) An Introduction to Social Anthropology. Asia Publishing House, Bombay
- Malinowski B 1961 [1922] Argonauts of the Western Pacific. Dutton & Co, New York
- Needham, Rodney (ed.) (1971) *Rethinking Kinship and Marriage*. London: Tavi-stock

28.10.20 28/10/2020

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA201	**पेपर का नाम : जैविक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:02	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: शारीरिक /जैविक मानवविज्ञान का इतिहास, विकास एवं उद्देश्य ;मानवविज्ञान का संबंद्ध विषयों से संबंध ;जैविक उद्विकास के सिध्दांत, लॅमार्कवाद, डार्विनवाद, नवलॅमार्कवाद -, नवाडार्विनवाद, और संश्लेसषण सिध्दांत.

इकाई 2: प्राणि जगत में मानव का स्थान ;मानव एवं वानर के मध्य तुलनात्मक शरीररचना ; मानव उद्विकास जीवाष्म साक्ष्य

इकाई 3: प्रजाति की अवधारणा, प्रजाति का अनुवांशिक आधार प्रजाति,पर यूनेस्को का व्यक्तव्य , मानव जनसंख्या का प्रजातीयवर्गीकरण

इकाई 4 : मानव अनुवांशिकी , मेंडेल के नियम , डी.एनजनसंख्या अनुवांशिकी की अवधारणा,., मानव जीनोम परियोजिना .

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थि उद्विकास के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में जानेंगे।

2. वे प्राणी जगत के वर्गीकरण और उसमें मनुष्य के स्थान के बारे में जानेंगे।

3.वे मानव एवं वानर के मध्य समानता और विभिन्नता को समझेंगे

4. वे नस्ल की अवधारणा के बारे में भी जानेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		

मॉड्यूल 1	1.शारीरिक/ जैविक मानवविज्ञान का इतिहास, विकास एवं उद्देश्य ; 2.मानवविज्ञान का संबंद्ध विषयों से संबंध; 3.जैविक उद्विकास के सिध्दांत, लॅमार्कवाद, डार्विनवाद, नव- लॅमार्कवाद, नवाडार्विनवाद, और संश्लेसषण सिध्दांत.	11	1	1	13	22%
मॉड्यूल 2	प्राणि जगत में मानव का स्थान ;मानव एवं वानर के मध्य तुलनात्मक शरीररचना ; मानव उद्विकास जीवाष्म साक्ष्य	15	1	1	17	29%
मॉड्यूल 3	प्रजाति की अवधारणा, प्रजाति का अनुवांशिक आधार ,प्रजाति पर यूनेस्को का व्यक्तव्य, मानव जनसंख्या का प्रजातीय वर्गीकरण	10	1	1	12	20%
मॉड्यूल 4	मानव अनुवांशिकी , मेंडेल के नियम, डी.एन.ए. ,जनसंख्या अनुवांशिकी की अवधारणा, मानव जीनोम परियोजिना .	15	1	1	17	29%
योग		**52**	**4**	**4**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

1. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
2. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेलव्हाट्सऐप/ के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
3. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
4. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न उत्तर सत्र के लिए समर्पित-होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा । प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी .यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे । इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं ।
5. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभीकभी काफी स्वाभाविक है-, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।

6. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन सत्रीय पत्र में ,सेमीनार ,उनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं ,बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी। अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।
7. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन)रीडिंग(को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा।

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
जैविक / शारीरिक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

1. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

➢ **मूल्यांकन परीक्षा योजना /**

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/**

(Text books/Reference/Resources)

28.10.20 28/10/2020

- Ashley-Montagu, M.E. 1961. *An Introduction to Physical Anthropology*. Illinois: Charles C. Thomas.
- Buettner-Janusch, J. 1966. *Origins of Man*. New Delhi: Wiley Eastern Pvt. Ltd.
- Das, B.M. 1997. *Outline of Physical Anthropology*. Allahabad: Kitab Mahal.
- Harrison, G.A. et al. 1988. *Human Biology.* Oxford: Clarendon Press.
- Lewin, R. 1999. *Human Evolution*. New York: Blackwell Science Ltd.
- Molnar, S. 1992. *Human Variation: Races, Types, and Ethnic Groups*. New Jersey: Prentice- Hall, Inc.
- Montague, M.F.A. 1961. *An Introduction to Physical Anthropology*. Illinois: Charles C. Thomas.
- Nystrom, P. and Ashmore, P. 2011. *The Life of Primates*. New Delhi: PHI Learing Pvt. Ltd.
- Park, M. A. 1996. *Biological Anthropology*. California: Mayfield Publishing Company.
- Poirier, F.E., W.A. Stini and K.B. Wreden. 1990. *In Search of Ourselves: An Introduction to Physical Anthropology*, 4th edition. New Jersey: Prentice Hall.
- Sarkar, R.M. 2004. *Fundamentals of Physical Anthropology*. Kolkata: Book World Publishers.
- Shukla, B.R.K. and S. Ratogi. 2002. *Physical Anthropology and Human Genetics – An Introduction.* Delhi: Palaka Prakashan.
- Srivastava, R.P. 2011. *Morphology of the Primates and Human Evolution*. New Delhi: PHI Learning Pvt. Ltd.
- Ulijaszek, S.J. 1995. *Human Energetics in Biological Anthropology*. Cambridge: Cambridge University Press.

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA202	**पेपर का नाम : अस्थिविज्ञान में प्रायोगिकी**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:02	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**04**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	**26**
कुल क्रेडिट घंटे	30

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: अस्थिविज्ञानः मानव अस्थियों की विवरणात्मक शब्दावली; मानव कंकाल के आक्षीय और उपांगीय भाग, मानव अस्थियों के नाम और स्थान।

इकाई2: कपालमिती)2 कपालों का मापनईअधिकतम कपाल लम्बा (, अधिकतम कपाल चौड़ाई, बाई जाइगोमैटिक चौडाई, ऊपरी मुखमंडल की ऊँचाई, नासिका की ऊँचाई, नासिका की चौड़ाई : सूचकांक – कपाल सूचकांक, नासिका सूचकांक, ऊपरी मुखमंडल सूचकांक.

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थि वभिन्न मानव अस्थियों के नाम और स्थान जानेंगे .
2. वे कपालमिति से संबंधित माप सीखेंगे.
3. वे विभिन्न सूचकांकों से कपाल को वर्गीकृत करना सीखेंगे ।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**		
मॉड्यूल 1	1.अस्थिविज्ञानः मानव अस्थियों की विवरणात्मक शब्दावली;	0	**2**	**14**	**16**	**53%**

	2.मानव कंकाल के आक्षीय और उपांगीय भाग, 3.मानव अस्थियों के नाम और स्थान।					
मॉड्यूल 2	1.कपालमिती (2 कपालों का मापन) अधिकतम कपाल लम्बाई, 2.अधिकतम कपाल चौड़ाई, 3.बाई जाइगोमैटिक चौडाई, 4.ऊपरी मुखमंडल की ऊँचाई, 5.नासिका की ऊँचाई, 6.नासिका की चौड़ाई : 7.सूचकांक – कपाल सूचकांक, 8.नासिका सूचकांक, 9.ऊपरी मुखमंडल सूचकांक.	**0**	**2**	**12**	**14**	**47%**
योग		**0**	**04**	**26**	**30**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

8. प्रयोगिकी के विषयों को अच्छी तरह से पहले बताया जायेगा और प्रत्येक प्रयोगिकीशिक्षक द्वारा , .प्रदर्शित की जायेगी
9. शिक्षक के प्रयोगिकी प्रदर्शन के उपरांत सभी विद्यार्थियों का प्रयोगिकी प्रदर्शन आपेक्षित होगा इस . .प्रकार से सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगिकी में निपुण हो जायेंगे
10. प्रयोगिकी में प्रयुक्त विभिन्न मापों और सूचकांको का उपयोग किनइसके बारे में ?किन क्षेत्रों में होता है- .भी विद्यार्थियों को समझाया जायेगा

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
अस्थिविज्ञान में प्रयोगिकी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	-	-	X	-	-	X

टिप्पणी :

3. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन परीक्षा योजना /**

ख /प्रयोगशाला/परियोजना कार्य .स्टूडियो कार्य का मूल्यांकन-क्षेत्र/

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण/प्रयोगिकी पुस्तिका आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन/प्रयोगिकी परीक्षा	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Chaurasia, B.D. 1984. *Human Osteology*. New Delhi: CBS..
- Das, B.M. and R. Deka. 2001. *Physical Anthropology Practical*. Allahabad: Kitab Mahal.
- Dwight, T. 1978. *The Identification of the Human Skeleton.* Boston: Massachusetts Medical Society.
- Mukherji, D., Mukherjee, D.P. and Bharati, P. 2009. *Laboratory manual for Biological Anthropology*. Kolkata.
- Sen, T. 1994. *Anthropometry.* Calcutta: The World Press.
- Shukla, B.R.K. and S. Ratogi. 2003. *Laboratory Manual of Physical Anthropology (Anthropometry and Osteology)*. Lucknow: Bharat Book Centre.
- Singh, I.P. and M. K. Bhasin. 2004. *A Manual of Biological Anthropology.* Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Singh, I.P. and M.K. Bhasin. 1989. *Anthropometry*. New Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Weiner, J. S. and J.A. Lourie. 1981. *Practicals in Human Biology*. London: Academic Press.

28.10.20 28/10/2020

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA301	**पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:03	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का परिप्रेक्ष्य और आधार; सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का विषय क्षेत्र; सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का अन्य विषयों से संबंध

इकाई 2: नृजातिविज्ञान और नृजातिवर्णन, नृजातिकेंद्रिता, एमिक एवं एटिक दृष्टिकोण, मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा

इकाई 3: सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन: संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, परसंस्कृतिकरण, सामाजीकरण, सांस्कृतिक पिछड़ापन, , प्रस्थिति और भूमिका

इकाई 4: समाज और संस्कृति; संस्कृति की विशेषताएं, संस्कृति एक अनुकूलन व्यवस्था, प्रस्थिति और भूमिका, सामाजिक स्तरीकरण, समूह एवं समूह के प्रकार, समुदाय, सामाजिक संरचना, सामाजिक संगठन

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान के बारे में जानेंगे।

2. वे नृजातिविज्ञान और नृजातिवर्णन, नृजातिकेंद्रिता, एमिक एवं एटिक दृष्टिकोण और मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा के बारे में भी जानेंगे।

3. वे सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन: संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, परसंस्कृतिकरण, सामाजीकरण, सांस्कृतिक पिछड़ापन और प्रस्थिति और भूमिका के बारे में जानेंगे।

4.वे समाज और संस्कृति; संस्कृति की विशेषताएं, संस्कृति एक अनुकूलन व्यवस्था, प्रस्थिति और भूमिका, सामाजिक स्तरीकरण, समूह एवं समूह के प्रकार, समुदाय, सामाजिक संरचना और सामाजिक संगठन को समझेंगे

28.10.20 28/10/2020

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का परिप्रेक्ष्य और आधार 2. सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का विषय क्षेत्र 3. सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का अन्य विषयों से संबंध	**10**	**1**	**1**	**12**	**20%**
मॉड्यूल 2	1. नृजातिविज्ञान और नृजातिवर्णन 2. नृजातिकेंद्रिता 3. एमिक एवं एटिक दृष्टिकोण 4. मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा	**11**	**1**	**1**	**13**	**21.66%**
मॉड्यूल 3	1. सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन 2. संस्कृतिकरण और पश्चिमीकरण 3. परसंस्कृतिकरण, सामाजीकरण 4. सांस्कृतिक पिछड़ापन 5. प्रस्थिति और भूमिका	**15**	**1**	**1**	**17**	**28.33%**
मॉड्यूल 4	1. समाज और संस्कृति; 2. संस्कृति की विशेषताएं, संस्कृति एक अनुकूलन व्यवस्था, 3. प्रस्थिति और भूमिका, 4. सामाजिक स्तरीकरण, 5.समूह एवं समूह के प्रकार, समुदाय, 6. सामाजिक संरचना, सामाजिक संगठन	**16**	**1**	**1**	**18**	**30%**
योग		**52**	**4**	**4**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

28.10.20 28/10/2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी**:**

5 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

6 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/**

(Text books/Reference/Resources)

- Hasnain, Nadeem (1992) General Anthropology. Jawahar Publishers, New Delhi
- Herskovits M (1960) Economic Anthropology. Knopf, New York
- Majumdar, D. N. & T. N. Madan (1957) An Introduction to Social Anthropology. Asia Publishing House, Bombay

28.10.20

28/10/2020

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA302	**पेपर का नाम : शारीरमिति में प्रायोगिकी**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:03	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	0
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	3
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	27
कुल क्रेडिट घंटे	30

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1 (स का मापनक्टचार सब्जे) शरीरमिती :– सिर की अधिकतम लम्बाई, सिर की अधिकतम चौड़ाई, बाईजाइगोमैटिक चौड़ाई, नासिका की ऊँचाई, नासिका की चौड़ाई, मुखमंडल की मॉर्फोलॉजिकल लम्बाई, सब्जेक्ट की ऊँचाई, बाईएक्रोमियल चौड़ाई, ऊपरी बाहू की मध्य गोलाई, वज़न.

इकाई 2 सूचकांक:– बी.आई .एम., कपाल सूचकांक, नासिका सूचकांक, ऊपरी मुखमंडल का मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, मुखमंडल मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, जूगोफ्रंटल सचूकांक।

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी विभिन्न शरीरमितीय माप लेने में सक्षम होंगे.

2. वे विभिन्न सूचकांकों की सहायता से मानव की विविधता जानेगें .

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**		
मॉड्यूल 1	1.शरीरमिती (चार सब्जेक्टस का मापन) – 2.सिर की अधिकतम लम्बाई, 3.सिर की अधिकतम चौड़ाई,		**2**	**15**	**17**	**57%**

	4.बाईजाइगोमैटिक चौड़ाई, 5.नासिका की ऊँचाई, 6.नासिका की चौड़ाई, 7.मुखमंडल की मॉर्फोलॉजिकल लम्बाई, 8.सब्जेक्ट की ऊँचाई, 9.बाईएक्रोमियल चौड़ाई, 10.ऊपरी बाहू की मध्य गोलाई, 11.वज़न.					
मॉड्यूल 2	1.सूचकांक – बी.एम. आई., 2.कपाल सूचकांक, 3.नासिका सूचकांक, 4. ऊपरी मुखमंडल का मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, 5.मुखमंडल मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, 6.जूगोफ्रंटल सचूकांक।	**0**	**2**	**11**	**13**	**43%**
योग		**0**	**3**	**27**	**30**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

11. प्रयोगिकी के विषयों को अच्छी तरह से पहले बताया जायेगा और प्रत्येक प्रयोगिकीशिक्षक द्वारा , .प्रदर्शित की जायेगी
12. शिक्षक के प्रयोगिकी प्रदर्शन के उपरांत सभी विद्यार्थियों का प्रयोगिकी प्रदर्शन आपेक्षित होगा इस . .प्रकार से सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगिकी में निपुण हो जायेंगे
13. प्रयोगिकी में प्रयुक्त विभिन्न मापों और सूचकांको का उपयोग किनइसके बारे में ?किन क्षेत्रों में होता है- .भी विद्यार्थियों को समझाया जायेगा

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शारीरमिति में प्रयोगिकी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	-	-	X	-	-	X

टिप्पणी :

4. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन परीक्षा योजना /**

ख /प्रयोगशाला/परियोजना कार्य .स्टूडियो कार्य का मूल्यांकन-क्षेत्र/

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण/प्रयोगिकी पुस्तिका आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन/प्रयोगिकी परीक्षा	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Chaurasia, B.D. 1984. *Human Osteology*. New Delhi: CBS..
- Das, B.M. and R. Deka. 2001. *Physical Anthropology Practical*. Allahabad: Kitab Mahal.
- Dwight, T. 1978. *The Identification of the Human Skeleton.* Boston: Massachusetts Medical Society.
- Mukherji, D., Mukherjee, D.P. and Bharati, P. 2009. *Laboratory manual for Biological Anthropology*. Kolkata.
- Sen, T. 1994. *Anthropometry.* Calcutta: The World Press.
- Shukla, B.R.K. and S. Ratogi. 2003. *Laboratory Manual of Physical Anthropology (Anthropometry and Osteology)*. Lucknow: Bharat Book Centre.
- Singh, I.P. and M. K. Bhasin. 2004. *A Manual of Biological Anthropology*. Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Singh, I.P. and M.K. Bhasin. 1989. *Anthropometry*. New Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Weiner, J. S. and J.A. Lourie. 1981. *Practicals in Human Biology*. London: Academic Press.

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA401	**पेपर का नाम : पुरातात्विक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:04	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**47**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**06**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	**07**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: **पुरातात्विक** मानवविज्ञान की परिभाषा और क्षेत्र;अन्य विषयों से संबंध ;**पुरातात्विक** मानवविज्ञान की अध्ययन पद्धति

इकाई 2: प्रतिनूतन काल का पर्यावरण ,हिमकाल ,अंतरहिमकाल,वर्षाकाल और अंतरवर्षाकाल

इकाई 3: निरपेक्ष और सापेक्ष काल निर्धारण विधि .

इकाई 4: भारत में पुरापाषाण काल , मध्य पाषाण काल और नवपाषाण संस्कृतियों की मुख्य विशेषताएं

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्धि पुरातात्विक मानवविज्ञान की मूलभूत अवधारणाएँ और प्रविधियाँ को समझेंगे .
2. वे प्रतिनुतनकाल में हुए जलवायु परिवर्तन को जानेगें .
3. वे सापेक्ष और निरपेक्ष कालनिर्धारण तकनीकि का प्रयोग करने में सक्षम होंगे.
4. वे भारत के विभिन्न सांस्कृतिक कालानुक्रम को समझेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास**		

				गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. **पुरातात्विक** मानवविज्ञान की परिभाषा और क्षेत्र; 2.अन्य विषयों से संबंध; 3. **पुरातात्विक** मानवविज्ञान की अध्ययन पद्धति	8	**2**	**1**	**11**	**18%**
मॉड्यूल 2	1.प्रतिनूतन काल का पर्यावरण, 2.हिमकाल,अंतरहिमकाल, 3.वर्षाकाल और अंतरवर्षाकाल	**10**	**2**	**1**	**13**	**21%**
मॉड्यूल 3	1. सापेक्ष कालनिर्धारण तकनीकि 2. निरपेक्ष कालनिर्धारण तकनीकि	**07**	**1**	**5**	**13**	**21%**
मॉड्यूल 4	1.भारत में पाषण काल, 2.मध्य पाषाण काल, 3. नवपाषाण काल,	**20**	**1**	**0**	**21**	**40%**
योग		**47**	**6**	**07**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

14. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
15. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेलव्हाट्सऐप/ के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
16. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
17. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न उत्तर सत्र के लिए समर्पित-होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी .यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।
18. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभीकभी काफी स्वाभाविक है-, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।
19. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सत्रीय पत्र में ,सेमीनारउनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं ,बिना पूर्व सूचना के

आयोजित की जायेगी। अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।

20. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन)रीडिंग(को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा।

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
पुरातात्विक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

5. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन परीक्षा योजना /**

ख. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Barnow, V. 1989. Introduction to Physical Anthropology and Archaeology: Chicago: The Dosery Press.
- Bhattacharya D.K. 1972. Prehistoric Archaeology. New Delhi: Hindustan Publishing Corporation.

28.10.20

- Bhattacharya D.K. 1979. Old Stone Age Tools and Techniques. Calcutta: K.P. Bagchi Company.
- Bhattacharya D.K. 1996. Palaeolithic Europe. Amsterdam: Humanities Press.
- Bhattacharya, D. K. 2017. An Outline of Indian Prehistory. New Delhi: Palaka Prakashan.
- Burkitt, M. C. 1985. The Old Stone Age: A Study of Palaeolithic Times. New Delhi: Rupa &Co.
- Champion et al. 1984. Prehistoric Europe. New York: Academic Press.
- Fagan B.M. 1983. People of Earth: An Introduction. Boston: Little, Brown & Company.
- Fagan, Brian. M. 2009. The complete Ice Age: how climate change shaped the world. London:Thames & Hudson
- Gamble, Clive. 2002. Archaeology: the basics. London: Routledge.
- Hole, F. and R.F. Heizer. 1973. Introduction to Prehistoric Archaeology. New York: Holt,
  Rinehart and Winston.
- Nilson, Tage. 1983. The Pleistocene: Geology and Life in the Quaternary Ice Age. London:
  Reidel.
- Rajan, K. 2002. Archaeology: Principles and Methods. Thanjavur: Pathippakam
- Rami Reddy, V. 2014. Elements of Prehistory. Tirupati: V. Indira.
- West, R.G. 1968. Pleistocene geology and biology: with especial reference to the British Isles.
  University of Michigan.

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA402	**पेपर का नाम : पुरातात्विक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:04	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**04**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	**26**
कुल क्रेडिट घंटे	30

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1 :उपकरण शब्दावलियां ,पुरापाषाणकाल ,मध्य पाषाणकाल और नव पाषाणकाल की उपकरण निर्माण तकनीकि व प्रारूप।

इकाई :2 पुरापाषाणकाल ,मध्य पाषाणकाल और नव पाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण.

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्धि सीखेंगे कि प्रागैतिहासिक उपकरण कैसे बनाएं, पहचानें और व्याख्या करें।
2. वे पुरातात्विक उपकरण निर्माण तकनीकि जान पायेंगे.

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**		
मॉड्यूल 1	1.उपकरण शब्दावलियां, 2. पुरापाषाणकाल, मध्य पाषाणकाल और नव पाषाणकाल की उपकरण निर्माण तकनीकि व प्रारूप।	0	**2**	**13**	**15**	**50%**
मॉड्यूल 2	1.पुरापाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण 2.मध्य पाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण 3.नव पाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण.	**0**	**2**	**13**	**15**	**50%**
योग		**0**	**04**	**26**	**30**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

28.10.20 28.10.2020

➢ शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

21. प्रयोगिकी के विषयों को अच्छी तरह से पहले बताया जायेगा और प्रत्येक प्रयोगिकीशिक्षक द्वारा , .प्रदर्शित की जायेगी
22. शिक्षक के प्रयोगिकी प्रदर्शन के उपरांत सभी विद्यार्थियों का प्रयोगिकी प्रदर्शन आपेक्षित होगा इस . .प्रकार से सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगिकी में निपुण हो जायेंगे
23. प्रयोगिकी में प्रयुक्त विभिन्न मापों और सूचकांको का उपयोग किनइसके बारे में ?किन क्षेत्रों में होता है- .भी विद्यार्थियों को समझाया जायेगा

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
पुरातात्विक मानवविज्ञान में प्रयोगिकी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	-	-	X	-	-	X

टिप्पणी :

6. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ मूल्यांकन परीक्षा योजना /

ख /प्रयोगशाला/परियोजना कार्य .स्टूडियो कार्य का मूल्यांकन-क्षेत्र/

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण/प्रयोगिकी पुस्तिका आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन/प्रयोगिकी परीक्षा	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

28.10.20

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Barnow, V. 1989. Introduction to Physical Anthropology and Archaeology: Chicago: The Dosery Press.
- Bhattacharya D.K. 1972. Prehistoric Archaeology. New Delhi: Hindustan Publishing Corporation.
- Bhattacharya D.K. 1979. Old Stone Age Tools and Techniques. Calcutta: K.P. Bagchi Company.
- Bhattacharya D.K. 1996. Palaeolithic Europe. Amsterdam: Humanities Press.
- Bhattacharya, D. K. 2017. An Outline of Indian Prehistory. New Delhi: Palaka Prakashan.
- Burkitt, M. C. 1985. The Old Stone Age: A Study of Palaeolithic Times. New Delhi: Rupa &Co.
- Champion et al. 1984. Prehistoric Europe. New York: Academic Press.
- Fagan B.M. 1983. People of Earth: An Introduction. Boston: Little, Brown & Company.
- Fagan, Brian. M. 2009. The complete Ice Age: how climate change shaped the world. London:Thames & Hudson
- Gamble, Clive. 2002. Archaeology: the basics. London: Routledge.
- Hole, F. and R.F. Heizer. 1973. Introduction to Prehistoric Archaeology. New York: Holt,
  Rinehart and Winston.
- Nilson, Tage. 1983. The Pleistocene: Geology and Life in the Quaternary Ice Age. London:
  Reidel.
- Rajan, K. 2002. Archaeology: Principles and Methods. Thanjavur: Pathippakam
- Rami Reddy, V. 2014. Elements of Prehistory. Tirupati: V. Indira.
- West, R.G. 1968. Pleistocene geology and biology: with especial reference to the British Isles.University of Michigan.

28.10.20 28/10/2020

बी.ए. मानवविज्ञान		
कोड: ANBA501	**पेपर का नाम : मानव संवृद्धि एवं विकास**	3. क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:05	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	38
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	03
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: मानव संवृद्धि एवं विकासपरिभाषा :, संकल्पना एवं भिन्नता, मानव संवृद्धि के अध्ययन का महत्व। :मानव संवृद्धि अध्ययन की विधियाँअनुदैर्घ्य, बहुद्रिक एवं आंशिक- अनुदैर्घ्य।

इकाई 2: मानव संवृद्धि के चरण, कैच अप-ग्रोथ, सेकुलर ट्रेंड, सामान्य संवृद्धि वक्र)नॉर्मल ग्रोथ कर्व(, अन्य ऊतकों का संवृद्धि वक्र। मानव संवृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक: आनुवांशिक, सामाजिक, हॉर्मोनल एवं पारिस्थितिकीय।

इकाई 3: सामान्य मानव संवृद्धि की पोषण आवश्यकताएं, संतुलित आहार की परिकल्पना, पोषकीय कमी के लक्षण एवं संबंधित बीमारियाँ। पर्यावरण, संस्कृति एवं भोजन।

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी मानव संवृध्दि और इसके चरण सीखेंगे।
2. वे संवृध्दि अध्ययन की प्रविधियों का उपयोग करना सीखेंगे।
3. वे संवृध्दि को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान कर पायेंगे.

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1.मानव संवृद्धि एवं विकास: परिभाषा, संकल्पना एवं भिन्नता, 2.मानव संवृद्धि के अध्ययन का महत्व।	09	1	1	11	24%

	3.मानव संवृद्धि अध्ययन की विधियाँ: अनुदैर्घ्य, बहुद्रिक एवं आंशिक- अनुदैर्घ्य।					
मॉड्यूल 2	1.मानव संवृद्धि के चरण, 2.कैच-अप ग्रोथ, 3.सेकुलर ट्रेंड, 4.सामान्य संवृद्धि वक्र (नॉर्मल ग्रोथ कर्व), 5.अन्य ऊतकों का संवृद्धि वक्र। 6.मानव संवृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक: आनुवांशिक, सामाजिक, हॉर्मोनल एवं पारिस्थितिकीय।	**21**	**2**	**1**	**24**	**54%**
मॉड्यूल 3	1.सामान्य मानव संवृद्धि की पोषण आवश्यकताएं, 2.संतुलित आहार की परिकल्पना, 3.पोषकीय कमी के लक्षण एवं संबंधित बीमारियाँ। 4.पर्यावरण, संस्कृति एवं भोजन।	**8**	**1**	**1**	**10**	**22%**
योग		**38**	**04**	**03**	**45**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (टे मेंघं)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

24. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
25. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेलपव्हाट्सएऐ/ के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
26. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
27. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न उत्तर सत्र के लिए समर्पित-होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी .यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।
28. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभीकभी काफी स्वाभाविक है-, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।
29. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सत्रीय पत्र में ,सेमीनारउनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं ,बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी। अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।
30. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन)रीडिंग(को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा।

28.10.20 28.10.2020

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
मानव संवृद्धि एवं विकास पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	-	X	X

टिप्पणी :

7. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ मूल्यांकन परीक्षा योजना /

ग. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ अध्ययन हेतु आधारसंदर्भ ग्रंथ/

- Bogin B. (1999) *Patterns of human growth*. Cambridge University Press.
- Cameron N and Bogin B. (2012) *Human Growth and Development*. Second edition, Academic Press, Elsevier.
- Harrison GA, Tanner JM, Pibeam DR, Baker PT. (1988). *Human Biology*. Oxford University Press.
- Jurmain R, Kilgore L, Trevathan W. *Essentials of physical anthropology*. Wadsworth Publishing.
- Kapoor AK and Kapoor S. (1995) *Biology of Highlanders*. Vinod Publisher and Distributor.
- Kathleen K. (2008). *Encyclopedia of Obesity*. Sage.
- Malina RM, Bouchard C, Oded B. (2004) Growth, Maturation, and Physical Activity. *Human Kinetics*.
- McArdle WD, Katch FI, Katch VL. (2001) *Exercise Physiology: Energy, Nutrition, and Human Performance*.
- Sinha R and Kapoor S. (2009). *Obesity: A multidimensional approach to contemporary global issue*. Dhanraj Publishers. Delhi.

28.10.20 28/10/2020

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA 502	**पेपर का नाम : शोध पद्धतिशास्त्र**	3. क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:05	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: शोध की परिभाषा, शोध के प्रकार, शोध प्ररचना के चरण , शोध नैतिकता और वैज्ञानिक प्रविधि।

इकाई 2: मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा :क्षेत्रकार्य से पूर्व की तैयारी ,क्षेत्र कार्य- सौहार्द्र स्थापन (रेपो), मुख्य सूचनादाता और फील्ड डायरी का रखरखाव।

इकाई 3: गणात्मक और गुणात्मक शोध की प्रविधि सर्वेक्षण :, व्यैक्तिक अध्ययन और नृविज्ञान। आंकडें संकलन के उपकरणप्रश्नावली :, साक्षात्कार अनुसूची, अवलोकन प्रत्यक्ष -, अप्रत्यक्ष, प्रतिभागी, गैर-प्रतिभागी, साक्षात्कार,संरचित और असंरचित- नृजातीयवर्णन । प्रतिदर्श के प्रकार: संभाव्यता और गैर संभावना निदर्शन पद्धति।

इकाई 4: सांख्यिकी :चरों के प्रकार, प्रस्तुति और संक्षेपण । वर्णनात्(सारणीकरण और चित्रण)मक आँकड़े - केंद्रीय प्रवृत्ति के माप, विचलनशीलता का मापन।

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी फील्डवर्क और नृविज्ञान के साथ इसके संबंध के बारे में जानेंगे।
2. वे फील्डवर्क की तैयारी और क्षेत्र कार्य- सौहार्द्र स्थापना (रेपो) की तकनीक का उपयोग करना सीखेंगे।
3. वे आंकडें संकलन करने की विभिन्न विधियों में निपुण होंगे।
4. वे निदर्शन अध्ययन के प्रारूप को ,आंकड़ों के सांख्यिकीय विवरण को तथा सांख्यिकीय परीक्षण के महत्व को समझेंगे .

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास		

				गतिविधियाँ		अंश
मॉड्यूल 1	1.शोध की परिभाषा, 2.शोध के प्रकार, 3.शोध प्ररचना के चरण , 4.शोध नैतिकता और 5.वैज्ञानिक प्रविधि।	**6**	**1**	**1**	**08**	**18%**
मॉड्यूल 2	1.मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा: 2.क्षेत्रकार्य से पूर्व की तैयारी, 3.क्षेत्र कार्य- सौहार्द्र स्थापन (रेपो), 4.मुख्य सूचनादाता और 5.फील्ड डायरी का रखरखाव।	**5**	**2**	**1**	**08**	**18%**
मॉड्यूल 3	1.गणात्मक और गुणात्मक शोध की प्रविधि : सर्वेक्षण, 2.व्यैक्तिक अध्ययन और 3.नृविज्ञान। 4.आंकडें संकलन के उपकरण: प्रश्नावली, 5.साक्षात्कार 6.अनुसूची, 7.अवलोकन - प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, प्रतिभागी, गैर-प्रतिभागी, 8.साक्षात्कार-संरचित और असंरचित, 9.नृजातीयवर्णन । 10.प्रतिदर्श के प्रकार: संभाव्यता और गैर संभावना निदर्शन पद्धति।	**15**	**1**	**2**	**18**	**40%**
मॉड्यूल 4	1.सांख्यिकी: चरों के प्रकार, 2.प्रस्तुति और संक्षेपण (सारणीकरण और चित्रण)। 3.वर्णनात्मक आँकड़े- केंद्रीय प्रवृत्ति के माप, 4.विचलनशीलता का मापन।	**09**	**1**	**1**	**11**	**24%**
योग		**36**	**5**	**4**	**45**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

31. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।

32. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेलव्हाट्सऐप/ के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।

33. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।

34. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न उत्तर सत्र के लिए समर्पित-होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी .यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।

35. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभीकभी काफी स्वाभाविक है-, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।

36. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सत्रीय पत्र में ,सेमीनारउनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं ,बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी। अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।

37. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन)रीडिंग(को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा।

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शोध पद्धतिशास्त्र पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

8. -Xपाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

28.10.20 28/10/2020

➢ **मूल्यांकन क्षा योजनापरी /**

घ. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधारसंदर्भ ग्रंथ/**

- Amit, V. 1999. *Constructing the Field.* London: Routledge.
- Bechhofer, F. and L. Paterson. 2000. *Principles of Research Design in the Social Sciences*. London: Routledge.
- Beteille, A. and T. N. Madan. 1975. *Encounter and Experience.* New Delhi: Vikas.
- Burgess, R. G. 1984. *In the Field: An Introduction to Field Research.* London: Routledge.
- Ellen, R. F. 1984. *Ethnographic Research: A Guide to General Conduct*. London: Academic Press.
- Epstein, A.L. 1978. *Crafts in Social Anthropology.* Delhi: Hindustan Publishing Corp.
- Foster, G. M. *et al*. 1979. *Long Term Field Research in Social Anthropology*. New York: Academic Press.
- Frelich, M. 1970. *Marginal Natives: Anthropologists at Work.* New York: Harper & Sons.
- Goode, W.J. and P.K. Hatt. 1981. *Methods in Social Research*. Singapore: McGraw-Hill Book Company.
- Herle, A. 1998. *Cambridge and the Torres Strait.* Cambridge: University Press.
- Jongmans, D.G. and P.C.W. Gutkind. 1967. *Anthropologists in the Field*. Assen: Van Gorcum & Company.
- Kumar, Somesh. 2002. *Methods for Community Participation*. New Delhi: Vistaar.
- Levinson, D. and M Ember (eds), 1996. *Ency. of Cultural Anthropology*, Vol.2, New York: Henry, Holt & Co.
- Russell, Bernard, H. 1995. *Research Methods in Anthropology: Qualitative and Quantitative Approaches*. Walnut Creek, CA: AltaMira Press.
- Sarana, G. 1975. *The Methodology of Anthropology.* New York: The University of Arizona Press.
- Srinivas, M.N. 1983. *The Observer and the Observed.* Faculty Lecture 1, Faculty of Arts and Social Sciences, University of Singapore.
- Stocking, G.W. 1983. *Observers Observed: Essays on Ethnographic Fieldwork.* Madison: The University of Wisconsin Press.
- Williams, T. R. 1967. *Field Methods in the Study of Culture.* London: Holt, Rinehart and Winston.

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA503	**पाठ्यचर्या का नाम: मानवशास्त्रीय सिद्धांत**	3. क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:05	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	3
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	2
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: सांस्कृतिक उद्विकासवाद: ई बी टायलर, एल एच मॉर्गन, मेन, मैकलेनन तथा जेम्स फ्रेज़र का योगदान; प्रसारवाद- ब्रिटिश, जर्मन एवं अमेरिकन स्कूल

इकाई 2: संस्कृति और व्यक्तित्व- रूथ बेनेडिक्ट, मारग्रेट मीड, राल्फ लिंटन, कार्डिनर और कोरा-डू-बोईस का योगदान

इकाई 3: नव-उद्विकासवाद, प्रकार्यवाद (मेलिनोस्की) एवं संरचना-प्रकार्यवाद (रेड्क्लिफ ब्राउन)

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी सांस्कृतिक उद्विकासवाद के बारे में जानेंगे।

2. वे प्रसारवाद के बारे में जानेंगे।

3.वे संस्कृति और व्यक्तित्व को समझेंगे

4. वे नव-उद्विकासवाद, प्रकार्यवाद एवं संरचना-प्रकार्यवाद के बारे में भी जानेंगे।

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** सांस्कृतिक उद्विकासवाद 2. ई बी टायलर, एल एच मॉर्गन 3. मेन, मैकलेनन तथा जेम्स फ्रेज़र 4. प्रसारवाद 5. ब्रिटिश प्रसारवाद स्कूल	13	1	1	15	33.33%

	6. जर्मन प्रसारवाद स्कूल 7. अमेरिकन प्रसारवाद स्कूल					
मॉड्यूल 2	1. संस्कृति और व्यक्तित्व 2. रूथ बेनेडिक्ट 3. मारग्रेट मीड 4. राल्फ लिंटन, कार्डिनर और कोरा-डू-बोईस	**14**	**1**	**0**	**15**	**33.33%**
मॉड्यूल 3	1. नव-उद्विकासवाद 2. प्रकार्यवाद (मेलिनोस्की) 3. संरचना-प्रकार्यवाद (रेड्क्लिफ ब्राउन)	**13**	**1**	**1**	**15**	**33.33%**
योग		**40**	**3**	**2**	**45**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

7 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

8 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

28.10.20 28/10/2020

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/**

(Text books/Reference/Resources)

- Barnard, Alan. 2000. History and Theory in Anthropology. Cambridge: Cambridge University Press.
- Harris, Marvin. 1968. The Rise of Anthropological Theory, A History of Theories of Culture. New York: Thomas Y. Crowell Company.
- Kuper, Adam. 1973. Anthropologists and Anthropology: The Modern British School. London: Routledge. Reprint 1996.
- Kuper, Adam (ed.). 1977. The Social Anthropology of Radcliffe-Brown. London: Routledge & Kegan Paul Fortes, M. and E.E. Evans-Pritchard (1940) African Political Systems. London: Oxford University Press.
- Upadhyay, V.S. & Gaya Pandey.1990. History of Anthropological Thought. New Delhi: Concept Publishing House.

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA601	**पाठ्यचर्या का नाम : भारत में जनजातियां एवं कृषक**	क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:06	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	33
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	8
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई- 1. जनजाति : जनजाति की मानवशास्त्रीय अवधारणा, भारत में जनजातियों के सामान्य एवं विशिष्ट लक्षण, अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह; भारत में जनजातियों का वितरण :क्षेत्रवार, राज्यवार, जनजातीय जनसंख्या, अर्थव्यवस्था तथा धर्म के आधार पर जनजातियों का वर्गीकरण।

इकाई- 2. जनजाति, संविधान ओर विकास : संवैधानिक सुरक्षा / प्रावधान, अनुसूचित क्षेत्रों एवं जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन; राष्ट्रीय जनजाति नीति का ड्राफ्ट, परसंस्कृतिकरण, आत्मसातकरण तथा एकीकरण संबंधी मुद्दे, विकास योजनायें एवं कार्यक्रम।

इकाई- 3. किसान, जाति और जनजाति : किसान की अवधारणा, किसान का अध्ययन के दृष्टिकोण: आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक; जाति व्यवस्था और उसके बदलते स्वरूप; जनजाति- जाति सातत्य।

इकाई- 4. जनजाति एवं कृषक आन्दोलन।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. जनजाति, अनुसूचित जनजाति तथा अतिसंवेदनशील समूहों के लक्षण, वितरण तथा उनके अर्थव्यवस्था से अवगत होगें।
2. जनजातियों की सुरक्षा और विकास के लिए संवैधानिक प्रावधान, जनजाति नीति एवं विभिन्न उपागम से विद्यार्थी परिचित होगें।
3. आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से किसान तथा जाति समाज के बदलते स्वरूप से परिचित होगें।
4. आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्यों से संबंधित जनजाति एवं कृषक आंदोलन से विद्यार्थी को परिचित कराया जायेगा।

3. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. जनजातियों की अवधारणा एवं लक्षण 2. अनुसूचित जनजाति एवं अतिसंवेदनशील जनजाति समूह 3. जनजाति का विवरण, वितरण तथा वर्गीकरण	08	1	2	11	24%
मॉड्यूल 2	1. संवैधानिक प्रावधान 2. राष्ट्रीय जनजाति नीति का ड्राफ्ट 3. जनजाति विकास के संबंधित विभिन्न उपागम 4. विकास योजनाएँ एवं कार्यक्रम	10	1	2	13	29%
मॉड्यूल 3	1. कृषक समाज 2. जाति व्यवस्था 3. जनजाति- जाति निरन्तरता	08	1	2	11	24%
मॉड्यूल 4	1. जनजाति आन्दोलन 2. कृषक आन्दोलन	7	1	2	10	23%
योग		33	4	8	45	100

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा
विधियाँ	विद्यार्थियों से संवाद
तकनीक	व्याख्यान
उपादान	दृशयात्मक, पुस्तकें एवं पी.पी.टी

5. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x					x	x

28.10.20 28/10/2020

टिप्पणी:

9 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

1. L.P.Vidyarthi &B.K.Rai.(1985).Tribal culture in India, new Delhi, concept publishing company.
2. National Tribal policy (draft). Ministry of tribal Affairs, Government of India.
3. Shah G. (2002), social movement and the shah. Delhi: Sage.
4. नदीम हसनैन) ,2016(. जनजातीय भारतनई दिल्ली,, जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीव्युटर्ष.
5. Shanin T. (.(1987Peasants and Peasantry. New York Blackwell.
6. मलिक ओर कुमार विकास .(2019)., पर्यावरण और आदिवासी समाज, केपब्लिकेशन .के., नई दिल्ली .
7. मुखर्जी एवं मलिक पब्लिकेशन .के.के .एं एवं संभावनाउँसमस्या : भारत के आदिवासी मध्य .(2014)., नई दिल्ली.
8. मलिक एवं मुखर्जी कारण :आदिवासी अशांति .(2015)., चुनौतियाँ एवं संभावनाएं.

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA602	**पाठ्यचर्या का नाम: भारत में मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:6	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	3
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	2
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: भारत में मानवविज्ञान का इतिहास एवं उसके विभिन्न चरण, भारतीय समाज और संस्कृति के अध्ययन के दृष्टिकोण: इंडोलोजिकल, प्रागैतिहासिक, एतिहासिक, मानवशास्त्रीय

इकाई 2: ग्रामीण अध्ययन; संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, प्रभु जाति, सार्वभौमीकरण, स्थानीयकरण, लघु एवं वृहत परंपरा

इकाई 3: आदिवासी अध्ययन; जनजाति-जाति निरंतरता, प्रकृति-मानव-आत्मा संकुल, पवित्र संकुल

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी भारत में मानवविज्ञान का इतिहास एवं उसके विभिन्न चरण के बारे में जानेंगे।

2. वे ग्रामीण अध्ययन के बारे में जानेंगे।

3. वे आदिवासी अध्ययन के बारे में भी जानेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु)Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ**		
मॉड्यूल 1	**1.** भारत में मानवविज्ञान का इतिहास एवं उसके विभिन्न चरण 2. भारतीय समाज और संस्कृति के अध्ययन के दृष्टिकोण	**13**	**1**	**1**	**15**	**33.33%**
मॉड्यूल 2	1. ग्रामीण अध्ययन 2. संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, प्रभु जाति 3. सार्वभौमीकरण, स्थानीयकरण 4. लघु एवं वृहत परंपरा	**13**	**1**	**1**	**15**	**33.33%**

28.10.20 28/10/2020

मॉड्यूल 3	1. आदिवासी अध्ययन 2. जनजाति-जाति निरंतरता, 3. प्रकृति-मानव-आत्मा संकुल 4. पवित्र संकुल	13	1	1	15	33.33%
योग		**39**	**3**	**3**	**45**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी**:**

11 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

12 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

28.10.20 28/10/2020

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

- **अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/**

(Text books/Reference/Resources)

- Dube S. C. (1992) Indian Society. National Book Trust, India: New Delhi
- Hasnain, Nadeem (1991) Indian Anthropology. Palaka Prakashan, New Delhi
- Srinivas M. N. (1959) The Dominant Caste in village Rampura. American Anthropologist
- Srinivas, M. N. (1952) Religion and Society among the Coorgs of South India. Oxford: Clarendow Press

	बी.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANBA603	**पेपर का नाम : क्षेत्रकार्य एवं क्षेत्रकार्य रिर्पोट**	3. क्रेडिट: 03
	सेमेस्टर:06	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**5**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**40**
कुल क्रेडिट घंटे	45

पाठ्यचर्या विवरण

1. विभाग द्वारा चयनित स्थान में न्युनतम तीन सप्ताह का क्षेत्रकार्य ।
2. (क) क्षेत्रकार्य रिर्पोट का मुख्य पृष्ठ
    - क्षेत्रकार्य का शीर्षक क्रमश: हिंदी एवं अंग्रेजी में
    - एम.ए. उपाधि हेतु प्रस्तुत क्षेत्रकार्य रिर्पोट
    - विद्यार्थी एवं क्षेत्र-कार्य निर्देशक का नाम
    - विश्वविद्यालय का 'लोगो'
    - प्रस्तुति वर्ष
    - विभाग एवं विश्वविद्यालय का क्रमश: पूरा नाम

   (ख) शोध प्रबंध (संदर्भ पद्धति : APA, कोकिला/यूनीकोड, फॉन्ट साइज-16, दो लाइनों के बीच की दूरी 1.5, पीडीएफ) तीन प्रतियां

   (ग) शोध-प्रबंध का प्रस्तावित प्रारूप:
    i. घोषणा-पत्र/प्रमाणपत्र (विद्यार्थी एवं क्षेत्रकार्य निर्देशक की ओर से एक ही होगा)
    ii. भूमिका
    iii. विषयानुक्रमणिका
    iv. संक्षिप्ताक्षर (यदि आवश्यक हो)
    v. अध्यायवारमूल अतर्वस्तु
    vi. संदर्भ सूची
    vii. परिशिष्ट (यदि आवश्यकता हो)
3. मौखिकी (प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिकी हेतु न्युनतम बीस मिनट प्रदान किए जाएंगे, पीपीटी प्रस्तुतीकरण अपेक्षित होगा)

अपेक्षित अधिगम परिणाम

- विद्यार्थी क्षेत्रकार्य करना सीखेंगे।
- विद्यार्थी क्षेत्रकार्य के दौरान आंकड़े एकत्रित करने की विभिन्न प्रविधियां एवं तकनीकों का प्रयोग करना सीखेंगे।
- विद्यार्थी आंकड़ो का विश्लेषण और प्रस्तुतिकरण करना सीखेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
क्षेत्रकार्य एवं क्षेत्रकार्य रिर्पोट पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

9. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन परीक्षा योजना /**

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या

(Syllabus)

एम.ए. मानवविज्ञान

सत्र 2020 से लागू

विश्वविद्यालय द्वारा अधिमान्य LOCF पर आधारित

ज्ञान शान्ति मैत्री

मानवविज्ञान विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्याय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट – हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र – 442001

www.hindivishwa.org

28.10.20

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य(Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियमके प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2.विद्यापीठ के लक्ष्य (Targetsof the School)

28.10.20

3.विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	● उपाधि कार्यक्रम ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम ❖ स्नातक कार्यक्रम ✓ भारतीय संस्कृति के मूल्यों एवं मानवविज्ञान की अंतरानुशासनिक प्रकृति एवं उसके समग्रता के उपागम पर आधारित पाठ्यचर्या। साथ ही पाठ्यचर्या में मानवविज्ञान के नए क्षेत्रों पर विशेष बल। ✓ अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा।
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	विद्यार्थियों को क्षेत्रकार्य में दक्ष करना ताकि उनमें अनुसंधान की प्रवृत्ति और अकादमिक कौशल विकसित हो। साथ ही इससे रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
शोध **Research**	विभाग द्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department) ● चिकित्सा मानवविज्ञान ● विकासात्मक मानवविज्ञान ● साहित्य का मानवविज्ञान
	पी-एच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme) ● सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान ● मानव संसाधन प्रबंधन ● चिकित्सा मानवविज्ञान ● एथ्नोग्राफिक अध्ययन
	शोध-परियोजना (Research Project) ● मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य ● परंपरागत चिकित्सा एवं उपचार पद्धतियाँ

ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	• कक्षा अध्यापन • समूह चर्चा • क्षेत्र सर्वे • क्षेत्रकार्य • सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	शोध एवं परियोजनाओं पर आधारित प्रकाशन

28.10.20 28/10/2020

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग का नाम : मानवविज्ञान**

2. **पाठ्यक्रम का नाम : एम. ए.**
3. **पाठ्यक्रम कोड:** ANMAC101-ANMAC404, ANMAE101-ANMAE402

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• विषय की अंतरानुशासनिक प्रकृति एवं उसके समग्रता के उपागम से ज्ञान अर्जित होगा। • भारतीय संस्कृति के मूल्यों की समझ विकसित होगी। • मानवशास्त्रीय सिद्धांतों एवं उपागमों के अनुप्रयोगों से विषय के नए क्षेत्रों की पहचान होगी।	• मानवशास्त्रीय कौशल द्वारा विद्यार्थी सामाजिक समस्याओं एवं मुद्दों की पहचान करने में सक्षम होंगे। • विद्यार्थी मानवशास्त्रीय ज्ञान द्वारा सामाजिक समस्याओं का निराकरण करने मे सक्षम होंगे। • विद्यार्थी मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण द्वारा सुसंगत तर्कों से नीतियों एवं सिद्धांतों का मूल्यांकन करने में दक्ष होंगे।	• अकादमिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर • प्रशासनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर • विकास के क्षेत्र में रोजगार के अवसर • चिकित्सीय क्षेत्र में रोजगार के अवसर

5. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):**
   - प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
   - क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
   - शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा	22 क्रेडिट

28.10.20

28.10.2020

		04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	
तीसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 04 अथवा 04 X 02 = 08 क्रेडिट	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	**64 क्रेडिट**	**26 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

28.10.20 28.10.2020

एम.ए. मानवविज्ञान

एम.ए. मानवविज्ञान पाठ्यक्रम (2020-21)

सी.बी.सी.एस./एल.ओ.सी.एफ. (आधारित)

प्रथम सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANMAC101	सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANMAC102	शारीरिक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANMAC103	सामाजिक संस्थाएं	कोर कोर्स	04
ANMAC104	शारीरिक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी – 1	कोर कोर्स	04
ANMAE101	जनजातीय संस्कृति	इलेक्टिव कोर्स	04
ANMAE102	कृषक समाज	इलेक्टिव कोर्स	02
	Core Course : 16 + Elective Course :6	कुल	22

द्वितीय सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANMAC201	मानवशास्त्रीय सिद्धांत - 1	कोर कोर्स	04
ANMAC202	पुरातात्विक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANMAC203	भारतीय समाज	कोर कोर्स	04
ANMAC204	शारीरिक मानवविज्ञान प्रायोगिकी – 2	कोर कोर्स	04
ANMAE201	न्यायिक मानवविज्ञान	इलेक्टिव कोर्स	04
ANMAE202	पारिस्थितिकीय मानवविज्ञान	इलेक्टिव कोर्स	02
	Core Course : 16 + Elective Course :2	कुल	22

तृतीय सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANMAC301	शोध पद्धतिशास्त्र – 1	कोर कोर्स	04
ANMAC302	मानवशास्त्रीय सिद्धांत – 2	कोर कोर्स	04
ANMAC303	जनजातीय भारत	कोर कोर्स	04
ANMAC304	पुरातात्विक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी	कोर कोर्स	04
ANMAE301	नगरीय मानवविज्ञान	इलेक्टिव कोर्स	04
ANMAE302	चिकित्सा मानवविज्ञान	इलेक्टिव कोर्स	04
	Core Course : 16 + Elective Course : 8	कुल	24

चतुर्थ सेमेस्टर

कोड	पाठ्यचर्या का नाम	कोर कोर्स/ इलेक्टिव कोर्स	क्रेडिट
ANMAC401	शोध पद्धतिशास्त्र - II	कोर कोर्स	04
ANMAC402	व्यावहारिक – सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANMAC403	व्यावहारिक जैविक मानवविज्ञान	कोर कोर्स	04
ANMAC404	क्षेत्र कार्य	कोर कोर्स	04
ANMAE401	विकासात्मक मानवविज्ञान	इलेक्टिव कोर्स	04
ANMAE402	साहित्य का मानवविज्ञान	इलेक्टिव कोर्स	02
	Core Course : 16 + Elective Course :04	कुल	22

28.10.20 28/10/2020

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC101	पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान	क्रेडिट : 04
	सेमेस्टर:01	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	46
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	07
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	07
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: मानवविज्ञान और सामाजिक- सांस्कृतिक मानवविज्ञान : मानवविज्ञान का अर्थ एवं क्षेत्र, मानवविज्ञान विषय की शाखाएं; सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का अन्य सामाजिक विषयों से संबंध।

इकाई 2: सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान और क्षेत्रकार्य : सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का इतिहास, नृजातिविज्ञान और नृजातिवर्णन। मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा।

इकाई 3: व्यक्ति, समाज और परिवर्तन : प्रस्थिति और भूमिका; समूह एवं समूह के प्रकार; समुदाय; सामाजिक संरचना, सामाजिक संगठन, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन।

इकाई 4: संस्कृति और सभ्यता: संस्कृति की विशेषताएं; संस्कृति एक अनुकूलन व्यवस्था; संस्कृतिकरण और सामाजीकरण; सांस्कृतिक प्रतिमान, सांस्कृतिक संकुल, सांस्कृतिक क्षेत्र, सांस्कृतिक केंद्र; सांस्कृतिक विन्यास, संस्कृति के विरोधाभास।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान की अंतरअनुशासनिक प्रकृति से परिचित होंगे।

2. नृजातिविज्ञान एवं नृजातिवर्णन के विभेद के साथ मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य की उपयोगिता एवं उनमें प्रयोग की जाने वाली तकनीकों को जान पाएंगे।

3. सामाजिक संरचना और परिवर्तन के विभिन्न स्वरूप से अवगत होंगे।

4. संस्कृति के संबंध में अपनी समझ विकसित कर पाएंगे।

28.10.20

3. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. मानवविज्ञान का अर्थ एवं क्षेत्र 2. सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान का अन्य विषयों से संबंध	7	1	2	10	20%
मॉड्यूल 2	1. सामाजिक मानवविज्ञान का इतिहास 2. नृजातिविज्ञान और नृजातिवर्णन 3. मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य एवं उसका महत्व	10	2	3	15	25%
मॉड्यूल 3	1. व्यक्ति और समाज 2. प्रस्थिति, भूमिका एवं समूह 3. सामाजिक संरचना एवं सामाजिक संगठन 4. सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन	17	1	2	20	30%
मॉड्यूल 4	1. संस्कृति और सभ्यता 2. संस्कृति की विशेषताएं 3. संस्कृतिकरण और सामाजीकरण 4. संस्कृति के विरोधाभास	12	3	0	15	25%
योग		46	7	7	60	100

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, प्रश्नोत्तर
तकनीक	पी. पी. टी. एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद
उपादान	दृशयात्मक एवं पुस्तकें

28.10.20

5. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

1 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

1. Auge, M. 1999. *An Anthropology for Contemporary Worlds*. Cambridge: University Press.
2. Beattie, J. 1966. *Other Cultures*. London: RKP.

28.10.20 28/10/2020

3. Dube, S.C. 1993. *Understanding Change: Anthropological and Sociological Perspectives*. New Delhi: Vikas.
4. Ember, C.R. and M. Ember. 1081. *Cultural Anthropology*. New Jersey: Prentice-Hall.
5. Fox, R. 1967. *Kinship and Marriage. An Anthropological Perspective*. Harmondsworth: Penguin.
6. Keesing, Felix. 1958. *Cultural Anthropology*. New York: Rinehart.
7. Kuper, A. 1999. *Culture: An Anthropologist's Account*. London: Harvard University Press.
8. Leach, E.R. 1061. *Rethinking Anthropology*. London: Athlone Press.
9. Parkin, R. And L. Stone. 2004. *Kinship and Family*. Oxford: Blackwell Publishers.
10. Rapport N. and J. Overing J. 2004. *Key Concepts in Social and Cultural Anthropology.*London: Routledge

28.10.20 28.10.2020

कोड: ANMAC102	एम.ए. मानवविज्ञान **पेपर का नाम : शारीरिक मानवविज्ञान** सेमेस्टर:01	क्रेडिट: 04

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**46**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**9**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**5**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1 : शारीरिक मानवविज्ञान का अर्थ एवं क्षेत्र;मानवविज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध; मानवविज्ञान का संबंद्ध विषयों से संबंध

इकाई 2 : प्राणि जगत में मानव का स्थान ; मानव एवं वानर के मध्य तुलनात्मक शरीररचना- कपाल, श्रोणिचक्र, दंतोध्देणदन तथा लम्बी अस्थियों के विशेष संदर्भ में; ऊर्ध्व मुद्रा और व्दिपादिता

इकाई 3 : जैविक उद्विकास के सिध्दांत, लॅमार्कवाद, डार्विनवाद, नव- लॅमार्कवाद, नवाडार्विनवाद, और संश्लेषण सिध्दांत; मानव का उद्धाव, जीवाष्म साक्ष्य, पोंगिड और होमीनिड, आस्ट्रेलोपिथिसिनी, होमो इरेक्ट्रसस, नियंडरथल मानव, मेधावी मानव. (होमो सेपियंस)

इकाई 4 : प्रजाति, नृजातियता और जनसंख्या; प्रजातीय वर्गीकरण की अवधारणा और उनके निर्माण के मापदंड; मानव विभिन्नता के कारण- आकारकीय, रक्तप संबंधी तथा आनुवांशिक

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**
  1. विद्यार्धि उद्विकास के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में जानेंगे।
  2. वे प्राणी जगत के वर्गीकरण और उसमें मनुष्य के स्थान के बारे में जानेंगे।
  3. वे मानव एवं वानर के मध्य समानता और विभिन्नता को समझेंगे
  4. वे नस्ल की अवधारणा के बारे में भी जानेंगे।
- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास**		

28.10.20 28.10.2020

				गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.**शारीरिक मानवविज्ञान का अर्थ एवं क्षेत्र 2.मानवविज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध 3.मानवविज्ञान का संबंद्ध विषयों से संबंध	**7**	**1**	**2**	**10**	**20%**
मॉड्यूल 2	1.प्राणि जगत में मानव का स्थान 2.मानव एवं वानर के मध्य तुलनात्मक शरीर रचना- कपाल, श्रोणिचक्र, दंतोध्देदन तथा लम्बी अस्थियों के विशेष संदर्भ में 3.ऊर्ध्व मुद्रा और व्दिपादिता	**10**	**2**	**3**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1. जैविक उद्विकास के सिध्दांत, लॅमार्कवाद, डार्विनवाद, नव- लॅमार्कवाद, नवाडार्विनवाद, और संश्लेषण सिध्दांत 2. मानव का उद्भाव, जीवांष्म साक्ष्य, पोंगिड और होमीनिड, आस्ट्रेलोपिथिसिनी, होमो इरेक्ट्स, नियंडरथल मानव, मेधावी मानव. (होमो सेपियंस)	**17**	**1**	**2**	**20**	**30%**
मॉड्यूल 4	प्रजाति, नृजातियता और जनसंख्या; प्रजातीय वर्गीकरण की अवधाराणा और उनके निर्माण के मापदंड; मानव विभिन्नता के कारण- आकारकीय, रक्त संबंधी तथा आनुवांशिक	**12**	**3**	**0**	**15**	**25%**
योग		**46**	**9**	**5**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

1. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
2. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेल/व्हाट्सऐप के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
3. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
4. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न-उत्तर सत्र के लिए समर्पित होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी. यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।

5. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभी-कभी काफी स्वाभाविक है, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।
6. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सेमीनार, सत्रीय पत्र में उनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं, बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी । अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।
7. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन (रीडिंग) को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा ।

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शारीरिक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

➢ मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

28.10.20

➢ अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

- Ashley-Montagu, M.E. 1961. *An Introduction to Physical Anthropology*. Illinois: Charles C. Thomas.
- Buettner-Janusch, J. 1966. *Origins of Man*. New Delhi: Wiley Eastern Pvt. Ltd.
- Das, B.M. 1997. *Outline of Physical Anthropology*. Allahabad: Kitab Mahal.
- Harrison, G.A. et al. 1988. *Human Biology.* Oxford: Clarendon Press.
- Lewin, R. 1999. *Human Evolution*. New York: Blackwell Science Ltd.
- Molnar, S. 1992. *Human Variation: Races, Types, and Ethnic Groups.* New Jersey: Prentice- Hall, Inc.
- Montague, M.F.A. 1961. *An Introduction to Physical Anthropology*. Illinois: Charles C. Thomas.
- Nystrom, P. and Ashmore, P. 2011. *The Life of Primates*. New Delhi: PHI Learing Pvt. Ltd.
- Park, M. A. 1996. *Biological Anthropology*. California: Mayfield Publishing Company.
- Poirier, F.E., W.A. Stini and K.B. Wreden. 1990. *In Search of Ourselves: An Introduction to Physical Anthropology*, 4th edition. New Jersey: Prentice Hall.
- Sarkar, R.M. 2004. *Fundamentals of Physical Anthropology*. Kolkata: Book World Publishers.
- Shukla, B.R.K. and S. Ratogi. 2002. *Physical Anthropology and Human Genetics – An Introduction.* Delhi: Palaka Prakashan.
- Srivastava, R.P. 2011. *Morphology of the Primates and Human Evolution*. New Delhi: PHI Learning Pvt. Ltd.
- Ulijaszek, S.J. 1995. *Human Energetics in Biological Anthropology*. Cambridge: Cambridge University Press.

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC103	**पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक संस्थाएं**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:01	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**52**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**4**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**4**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: सामाजिक संस्थाएं: अवधारणा और परिभाषा; परिवार, नातेदारी और विवाह: मूल अवधारणाएं- प्रकार और प्रकार्य

इकाई 2: अर्थव्यवस्था और समाज: उत्पादन की प्रक्रियाएं एवं वितरण, सरल और जटिल समाज में विनिमय और उपभोग

इकाई 3: राजनीतिक संस्थाएं, राज्य और राज्यविहीन समाज, सरल और जटिल समाज में कानून और न्याय

इकाई 4: धर्म और जादू: धर्म और जादू के उद्विकास के अध्ययन से संबंधित अवधारणाएं , धर्म और जादू के प्रकार्य

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**
  1. विद्यार्थी सामाजिक संस्थाओं के बारे में जानेंगे।
  2. वे परिवार, नातेदारी और विवाह तथा आर्थिक एवं राजनीतिक संस्थाओं के बारे में जानेंगे।
  3. वे राज्य और राज्यविहीन समाजों के मध्य विभिन्नता को समझेंगे
  4. वे धर्म और जादू की अवधारणा के बारे में भी जानेंगे।
- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.**सामाजिक संस्थाएं 2.परिवार: प्रकार एवं प्रकार्य 3.विवाह: प्रकार एवं प्रकार्य	**14**	**1**	**1**	**16**	**26.66%**

	4.नातेदारी: प्रकार एवं प्रकार्य					
मॉड्यूल 2	1. अर्थव्यवस्था और समाज 2. उत्पादन की प्रक्रियाएं एवं वितरण 3. सरल और जटिल समाज में विनिमय और उपभोग	**12**	**1**	**1**	**14**	**23.33%**
मॉड्यूल 3	1. राजनीतिक संस्थाएं 2. राज्य और राज्यविहीन समाज 3. सरल और जटिल समाज में कानून और न्याय	**12**	**1**	**1**	**14**	**23.33%**
मॉड्यूल 4	1. धर्म और जादू 2. धर्म और जादू के उद्विकास के अध्ययन से संबंधित अवधारणाएं 3. धर्म और जादू के प्रकार्य	**14**	**1**	**1**	**16**	**26.66%**
योग		**52**	**4**	**4**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी**:**

3 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

4 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**

(Text books/Reference/Resources)

- Beattie, John (1964) Other Cultures . London: Routledge & Kegan Paul
- Evans-Pritchard EE (1937) :itchcrai, Oracles and Magic among the Azande. Oxford Clarendon Press
- Firth R (ed.) (1970) Themes in Economic Anthropology. Tavistock Publications, London
- Fortes, M. and E.E. Evans-Pritchard (1940) African Political Systems. London: Oxford University Press.
- Gluckman, M. (1965) Politics, Law and Ritual in Tribal Society. Oxford: Blackwell.
- Hasnain, Nadeem (1992) General Anthropology. Jawahar Publishers, New Delhi
- Herskovits M (1960) Economic Anthropology. Knopf, New York
- Leach, E. R. (1954) Political Systems of Highland Burma. London: Athlone
- Mair, Lucy (1962) Primitive Government. Indiana: Penguin Publishers.
- Majumdar, D. N. & T. N. Madan (1957) An Introduction to Social Anthropology. Asia Publishing House, Bombay
- Malinowski B 1961 [1922] Argonauts of the Western Pacific. Dutton & Co, New York
- Needham, Rodney (ed.) (1971) *Rethinking Kinship and Marriage*. London: Tavi-stock

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC104	**पेपर का नाम : शारीरिक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी-I**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर: 01	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**10**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	**50**
कुल क्रेडिट घंटे	60

इकाई 1 : अस्थिविज्ञान- लम्बी अस्थियों के लक्षण एवं पार्श्व पक्ष की पहचान (इन्नॉमिनेट, क्लैविकिल, स्कैपुला, ह्यमूरस, रेडियस, अलना, टीबिया, फिबुला)

इकाई 2 : पेलविका गरडिल और कपाल के आधार पर लिंग तथा आयू का निर्धारण।

इकाई 3 : कपालमिती (4 कपालों का मापन) – कपाल का मापन: अधिकतम कपाल लम्बाई, अधिकतम कपाल चौड़ाई, बाई मेस्टोडियल चौड़ाई, बाई जाइगोमैटिक चौडाई, ऊपरी मुखमंडल की ऊँचाई, नासिका की ऊँचाई, नासिका की चौड़ाई, मुखमंडल की मॉर्फोलॉजिकल लम्बाई । जबड़े का मापन – बाई कॉन्डाईलर चौड़ाई, बाई गोनियल चौड़ाई, रैमस की ऊँचाई, रैमस की चौड़ाई।

इकाई 4 : सूचकांक – कपाल सूचकांक, नासिका सूचकांक, ऊपरी मुखमंडल सूचकांक, ऑर्बिटल सूचकांक, जूगोफ्रन्टल सूचकांक।

➢ अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थि वभिन्न मानव अस्थियों के नाम,स्थान और पार्श्व पक्ष की पहचान कर पायेंगे.
2. वे अस्थियों से लिंग तथा आयू का निर्धारण करने में सक्षम होंगे.
3. वे कपालमिति से संबंधित माप सीखेंगे.
4. वे विभिन्न सूचकांकों से कपाल को वर्गीकृत करना सीखेंगे ।

➢ पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल	1.अस्थिविज्ञान- लम्बी अस्थियों के लक्षण					

1	2.पार्श्व पक्ष की पहचान (इन्नॉमिनेट, क्लैविकिल, स्कैपुला, ह्यमूरस, रेडियस, अलना, टीबिया, फिबुला)	0	**2**	**14**	**16**	**27%**
मॉड्यूल 2	1.पेलविका गरडिल के आधार पर लिंग का निर्धारण। 2. कपाल के आधार पर लिंग तथा आयू का निर्धारण।	**0**	**2**	**6**	**8**	**13%**
मॉड्यूल 3	1. कपालमिती (4 कपालों का मापन) – कपाल का मापन: अधिकतम कपाल लम्बाई, अधिकतम कपाल चौड़ाई, बाई मेस्टोडियल चौड़ाई, बाई जाइगोमैटिक चौडाई, ऊपरी मुखमंडल की ऊँचाई, नासिका की ऊँचाई, नासिका की चौड़ाई, मुखमंडल की मॉर्फोलॉजिकल लम्बाई । 2. जबड़े का मापन – बाई कॉन्डाईलर चौड़ाई, बाई गोनियल चौड़ाई, रैमस की ऊँचाई, रैमस की चौड़ाई।	**0**	**4**	**21**	**25**	**42%**
मॉड्यूल 4	1. सूचकांक – कपाल सूचकांक, नासिका सूचकांक, ऊपरी मुखमंडल सूचकांक, ऑर्बिटल सूचकांक, जूगोफ्रन्टल सूचकांक।	**0**	**2**	**9**	**11**	**18%**
योग		**0**	**10**	**50**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

- **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

8. प्रयोगिकी के विषयों को अच्छी तरह से पहले बताया जायेगा और प्रत्येक प्रयोगिकी, शिक्षक द्वारा प्रदर्शित की जायेगी.
9. शिक्षक के प्रयोगिकी प्रदर्शन के उपरांत सभी विद्यार्थियों का प्रयोगिकी प्रदर्शन आपेक्षित होगा . इस प्रकार से सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगिकी में निपुण हो जायेंगे.
10. प्रयोगिकी में प्रयुक्त विभिन्न मापों और सूचकांको का उपयोग किन-किन क्षेत्रों में होता है? इसके बारे में भी विद्यार्थियों को समझाया जायेगा.

- **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शारीरिक मानवविज्ञान में प्रयोगिकी-I पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	-	-	X	-	-	X

टिप्पणी :

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन/ परीक्षा योजना**

ख /प्रयोगशाला/परियोजना कार्य .स्टूडियो कार्य का मूल्यांकन-क्षेत्र/

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण/प्रयोगिकी पुस्तिका आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन/प्रयोगिकी परीक्षा	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Chaurasia, B.D. 1984. *Human Osteology*. New Delhi: CBS..
- Das, B.M. and R. Deka. 2001. *Physical Anthropology Practical*. Allahabad: Kitab Mahal.
- Dwight, T. 1978. *The Identification of the Human Skeleton.* Boston: Massachusetts Medical Society.
- Mukherji, D., Mukherjee, D.P. and Bharati, P. 2009. *Laboratory manual for Biological Anthropology*. Kolkata.
- Sen, T. 1994. *Anthropometry.* Calcutta: The World Press.
- Shukla, B.R.K. and S. Ratogi. 2003. *Laboratory Manual of Physical Anthropology (Anthropometry and Osteology)*. Lucknow: Bharat Book Centre.
- Singh, I.P. and M. K. Bhasin. 2004. *A Manual of Biological Anthropology.* Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Singh, I.P. and M.K. Bhasin. 1989. *Anthropometry*. New Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Weiner, J. S. and J.A. Lourie. 1981. *Practicals in Human Biology*. London: Academic Press.

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAE101	**पाठ्यचर्या का नाम : जनजातीय संस्कृति**	क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर : 01	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	44
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	8
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई- 1. जनजाति: परिभाषा, संकल्पना, विशेषताएं; जनजातियों का भौगोलिक वितरण एवं वर्गीकरण। अनुसूचित जनजाति, विशेष संवेदनशील जनजाति समूह, विमुक्त जनजाति एवं घुमंतू जनजाति।

इकाई- 2. जाति-जनजाति : अनुसूचित जाति एवं जनजाति के प्रमुख विशेषताएं और अंतर, जाति- जनजाति निरंतरता; प्रवासन और व्यावसायिक बदलाव।

इकाई- 3. जनजाति एवं पर्यावरण: परंपरागत ज्ञान एवं जनजाति। जनजाति एवं वन: वन और जनजातीय अर्थव्यवस्था, संयुक्त वन प्रवंधन, वन नीति एवं जनजाति, वन अधिकार कानून- 2006 एवं जनजाति। जनजाति एवं भूमि: जमीन हस्तांतरण, अनुसूचित एवं जनजाति क्षेत्र, पेशा अधिनियम। विकास, विस्थापन और सामाजिक परिवर्तन। जनजाति शिक्षा एवं स्वास्थ्य से सम्बंधित मुद्दे। जनजाति विकास एवं कल्याण योजनाएं (Tribal Development & Welfare Schemes) जनजाति जीवन पर विकास योजनाओं का प्रभाव।

इकाई- 4. जनजाति मोनोग्राफ (एक) ।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. जनजाति, अनुसूचित जनजाति, अतिसंवेदनशील जनजाति एवं विमुक्त जनजातियों के मध्य अंतर समझ पाएंगे।
2. सामाजिक, सांस्कृतिक मापदंड के आधार पर जाति एवं जनजाति समाज के मध्य अंतर स्थापित कर पाएंगे।

28.10.20 28/10/2020

3. जनजाति समाज में समस्याएं तथा बदलते रूपों से परिचित होगें।
4. जनजाति समाज को उनके सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक विशेषताओं के आधार पर समझ पाएंगे।

3. पाठ्य चर्चा की अंतर्वस्तु (Contents of the course)

मॉडयूल संख्या	**विवरण**	**व्याख्यान**	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ**	**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्चाओं में प्रतिशत अंश**
मॉड्यूल 1	1.जनजाति की अवधारणा एवं लक्षण 2.जनजातियों का वितरण एवं वर्गीकरण 3.अनुसूचित जनजाति, अतिसंवेदनशील समूह एवं विमुक्त जनजाति	12	1	2	15	**25 %**
मॉड्यूल 2	1.जाति एवं जनजाति 2.जाति एवं जनजाति के सामाजिक एवं सांस्कृतिक लक्षण 3.जाति- जनजाति निरंतरता 4. प्रवासन और सामाजिक परिवर्तन	4	0	1	5	**08 %**
मॉड्यूल 3	1.जनजाति और पर्यावरण 2.जनजाति और वन से संबंधित मुद्दे 3.जनजाति और जमीन से जुड़े मुद्दे 4.विकास, विस्थापन और सामाजिक परिवर्तन 5.जनजाति शिक्षा एवं स्वास्थ्य 6.जनजाति एवं विकास योजना	25	2	3	30	**50 %**
मॉड्यूल 4	1.मोनोग्राफ का अध्ययन	3	4	3	10	**17 %**
योग		**44**	**07**	**9**	**60**	**100**

अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

28.10.20 28.10.2020

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा
विधियाँ	विद्यार्थियों से संवाद
तकनीक	व्याख्यान
उपादान	दृशयात्मक, पुस्तकें एवं पी.पी.टी

5 .पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x		x		x	x	x

टिप्पणी:

5 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

6 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

28.10.20 28.10.2020

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार/ सन्दर्भ ग्रन्थ (Text Book/ Reference/ Resources)

1. मलिक ओर कुमार .(2019). विकास, पर्यावरण और आदिवासी समाज, के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली.
2. मुखर्जी एवं मलिक .(2014). मध्य भारत के आदिवासी : समस्याएं एवं संभावनाउँ. के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली.
3. मलिक एवं मुखर्जी .(2015). आदिवासी अशांति : कारण, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं.
4. नदीम हसनैन) ,2016(. जनजातीय भारतनई दिल्ली,, जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीव्युटर्ष.
5. Behera, D.K. and Georg Pfeffer. *Contemporary Society Tribal Studies*, Volume I to VII. New Delhi: Concept Publishing Company.
6. Georg Pfeffer. *Hunters, Tribes and Peasant: Cultural Crisis and Comparison*. Bhubaneswar: Niswas.
7. National Tribal policy (draft). Ministry of tribal Affairs, Government of India.
8. Shah G. (2002), social movement and the shah. Delhi: Sage.
9. Vidyarthi, L.P. and B.K. Rai. *Applied Anthropology in India*.
10. Vidyarthi, L.P. and B.N. Sahay. *Applied Anthropology and Development in India*. New Delhi: National Publishing House.

28.10.20

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAE102	**पाठ्यचर्या का नाम: कृषक समाज**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:01	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**2**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**2**
कुल क्रेडिट घंटे	30

<u>पाठ्यचर्या विवरण</u>

इकाई 1 : कृषक समाज: अवधारणा, अध्ययन के विविध दृष्टिकोण (आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक); कृषक, आदिवासी और नगरी समाज में भिन्नता; जाति व्यवस्था और परिवर्तन

इकाई 2 : वृहत और लघु परंपरा, सार्वभौमिकरण, स्थानीकरण, लोक-नगर निरंतरता, संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण और प्रभु जाति, कृषक आंदोलन

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी कृषक समाज के बारे में जानेंगे।
2. वे जाति व्यवस्था और उसमें हो रहे परिवर्तनों के बारे में जानेंगे।
3. वे लोक-नगर निरंतरता और कृषक आंदोलनों को समझेंगे
4. वे वृहत और लघु परंपरा, सार्वभौमिकरण, स्थानीकरण के बारे में भी जानेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ**		
मॉड्यूल 1	**1.** कृषक समाज: अवधारणा, अध्ययन के विविध दृष्टिकोण (आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक)	**12**	**1**	**1**	**14**	**46.66%**

28.10.20 28/10/2020

	2. कृषक, आदिवासी और नगरी समाज में भिन्नता 3. जाति व्यवस्था और परिवर्तन					
मॉड्यूल 2	1. वृहत और लघु परंपरा, सार्वभौमिकरण, स्थानीकरण 2. लोक-नगर निरंतरता 3. संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण और प्रभु जाति 4. कृषक आंदोलन	**14**	**1**	**1**	**16**	**53.33%**
योग		**26**	**2**	**2**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

1 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

28.10.20

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

- Foster, George M. 1967. "'Introduction: What Is a Peasant?'". In Peasant Society: A Reader., Edited by: Potter, Jack M., Diaz, May N. and Foster, George M. 2–14. Boston: Little, Brown.
- Hasnain, Nadeem (1992) General Anthropology. Jawahar Publishers, New Delhi
- Redfield, R. 1941. Folk Culture of Yukatan, Chicago University Press, Chicago
- Singer, M. 1972. When A Great Tradition Modernizes: An Anthropological Approach to Indian Civilization, Chicago University Press, Chicago.
- Singh, Y.1993. Social Change in India: Crisis and Resilience, Har Anand Publication, New Delhi
- Srinivas, M.N. 1985.Caste in Modern India and Other Essays, Media Publishers, Bombay
- Wolf, Eric R. 1966a. Peasants, Englewood Cliffs, NJ: Prentice-Hall

28.10.20

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC201	**पाठ्यचर्या का नाम: मानवशास्त्रीय सिद्धांत-1**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:02	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**52**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**5**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**3**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: सांस्कृतिक उद्विकासवाद- ई बी टायलर, एल एच मॉर्गन, मेन, मैकलेनन तथा जेम्स फ्रेज़र का योगदान

इकाई 2: प्रसारवाद- ब्रिटिश, जर्मन एवं अमेरिकन स्कूल

इकाई 3: संस्कृति और व्यक्तित्व- रूथ बेनेडिक्ट, मारग्रेट मीड, राल्फ लिंटन, कार्डिनर और कोरा-डू-बोईस का योगदान

इकाई 4: नव-उद्विकासवाद, प्रकार्यवाद (मेलिनोस्की) एवं संरचना-प्रकार्यवाद (रेड्क्लिफ ब्राउन)

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी सांस्कृतिक उद्विकासवाद के बारे में जानेंगे।
2. वे प्रसारवाद के बारे में जानेंगे।
3.वे संस्कृति और व्यक्तित्व को समझेंगे
4. वे नव-उद्विकासवाद, प्रकार्यवाद एवं संरचना-प्रकार्यवाद के बारे में भी जानेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ**		
मॉड्यूल 1	**1.** सांस्कृतिक उद्विकासवाद 2. ई बी टायलर, एल एच मॉर्गन 3. मेन, मैकलेनन तथा जेम्स फ्रेज़र	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**

मॉड्यूल 2	1. प्रसारवाद 2. ब्रिटिश स्कूल 3. जर्मन स्कूल 4. अमेरिकन स्कूल	**14**	**1**	**0**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1. संस्कृति और व्यक्तित्व 2. रूथ बेनेडिक्ट 3. मारग्रेट मीड 4. राल्फ लिंटन, कार्डिनर और कोरा-डू-बोईस	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 4	1. नव-उद्विकासवाद 2. प्रकार्यवाद (मेलिनोस्की) 3. संरचना-प्रकार्यवाद (रेड्क्लिफ ब्राउन)	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
योग		**52**	**5**	**3**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

3 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

4 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

- *विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
- #विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**

(Text books/Reference/Resources)

- Barnard, Alan. 2000. History and Theory in Anthropology. Cambridge: Cambridge University Press.
- Harris, Marvin. 1968. The Rise of Anthropological Theory, A History of Theories of Culture. New York: Thomas Y. Crowell Company.
- Kuper, Adam. 1973. Anthropologists and Anthropology: The Modern British School. London: Routledge. Reprint 1996.
- Kuper, Adam (ed.). 1977. The Social Anthropology of Radcliffe-Brown. London: Routledge & Kegan Paul Fortes, M. and E.E. Evans-Pritchard (1940) African Political Systems. London: Oxford University Press.
- Upadhyay, V.S. & Gaya Pandey.1990. History of Anthropological Thought. New Delhi: Concept Publishing House.

28.10.20

28.10.2020

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC202	**पेपर का नाम : पुरातात्विक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:02	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**47**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**06**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	**07**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: पुरातात्विक मानवविज्ञान का परिचय, मूलभूत अवधारणाएँ और प्रविधियाँ: पुरातात्विक स्थल, आर्टीफैक्ट, भौतिक संस्कृति, सर्वेक्षण, उत्खनन, क्रमबद्धता, अतीत कि व्याख्या व अभिलेखन।

इकाई 2: भौगोलिक काल: प्रतिनुतनकाल-नुतनकाल में हुए पर्यावरणीय बदलाव, हिमयुग, अतंरहिमकाल, हिमकाल, वर्षाकाल और अंतरवर्षा काल।

इकाई 3: कालनिर्धारण तकनीकि- सापेक्ष और निरपेक्ष काल निर्धारण प्रणाली।

इकाई 4: सांस्कृतिक कालानुक्रम- भारत में पाषण काल, मध्यु पाषाण काल, नवपाषाण काल, ताम्रापाषाणिक और महापाषाण संस्कृाति; सिंधु घाटी सभ्येता

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्धि पुरातात्विक मानवविज्ञान की मूलभूत अवधारणाएँ और प्रविधियाँ को समझेंगे .
2. वे प्रतिनुतनकाल में हुए जलवायु परिवर्तन को जानेगें .
3. वे सापेक्ष और निरपेक्ष कालनिर्धारण तकनीकि का प्रयोग करने में सक्षम होंगे.
4. वे भारत के विभिन्न सांस्कृतिक कालानुक्रम को समझेंगे ।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ**		

28.10.20

मॉड्यूल 1	1. पुरातात्विक मानवविज्ञान का परिचय, मूलभूत अवधारणाएँ और प्रविधियाँ: पुरातात्विक स्थल, आर्टीफैक्ट, भौतिक संस्कृति, सर्वेक्षण, उत्खनन. 2. क्रमबद्धता, अतीत कि व्याख्या व अभिलेखन।	8	**2**	**1**	**11**	**18%**
मॉड्यूल 2	1. प्रतिनुतनकाल-नुतनकाल में हुए पर्यावरणीय बदलाव, 2.हिमयुग, अतंरहिमकाल, 3.हिमकाल, 4.वर्षाकाल और अंतरवर्षा काल।	**10**	**2**	**1**	**13**	**21%**
मॉड्यूल 3	1. सापेक्ष कालनिर्धारण तकनीकि 2. निरपेक्ष कालनिर्धारण तकनीकि	**07**	**1**	**5**	**13**	**21%**
मॉड्यूल 4	1.भारत में पाषण काल, 2.मध्य पाषाण काल, 3. नवपाषाण काल, 4. ताम्रापाषाणिक काल 5.महापाषाण संस्कृति 6. सिंधु घाटी सभ्यता	**20**	**1**	**0**	**21**	**40%**
योग		**47**	**6**	**07**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

- **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

11. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
12. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेल/व्हाट्सऐप के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
13. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
14. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न-उत्तर सत्र के लिए समर्पित होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी. यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।
15. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभी-कभी काफी स्वाभाविक है, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।

28.10.20

16. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सेमीनार, सत्रीय पत्र में उनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं, बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी । अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।
17. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन (रीडिंग) को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा ।

- **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
पुरातात्विक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

4. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

- **मूल्यांकन/ परीक्षा योजना**

ख. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

28.10.20 28/10/2020

- Barnow, V. 1989. Introduction to Physical Anthropology and Archaeology: Chicago: The Dosery Press.
- Bhattacharya D.K. 1972. Prehistoric Archaeology. New Delhi: Hindustan Publishing Corporation.
- Bhattacharya D.K. 1979. Old Stone Age Tools and Techniques. Calcutta: K.P. Bagchi Company.
- Bhattacharya D.K. 1996. Palaeolithic Europe. Amsterdam: Humanities Press.
- Bhattacharya, D. K. 2017. An Outline of Indian Prehistory. New Delhi: Palaka Prakashan.
- Burkitt, M. C. 1985. The Old Stone Age: A Study of Palaeolithic Times. New Delhi: Rupa &Co.
- Champion et al. 1984. Prehistoric Europe. New York: Academic Press.
- Fagan B.M. 1983. People of Earth: An Introduction. Boston: Little, Brown & Company.
- Fagan, Brian. M. 2009. The complete Ice Age: how climate change shaped the world. London:Thames & Hudson
- Gamble, Clive. 2002. Archaeology: the basics. London: Routledge.
- Hole, F. and R.F. Heizer. 1973. Introduction to Prehistoric Archaeology. New York: Holt,
  Rinehart and Winston.
- Nilson, Tage. 1983. The Pleistocene: Geology and Life in the Quaternary Ice Age. London:
  Reidel.
- Rajan, K. 2002. Archaeology: Principles and Methods. Thanjavur: Pathippakam
- Rami Reddy, V. 2014. Elements of Prehistory. Tirupati: V. Indira.
- West, R.G. 1968. Pleistocene geology and biology: with especial reference to the British Isles.
  University of Michigan.

28.10.20 28.10.2020

एम.ए. मानवविज्ञान

कोड: ANMAC203 | **पाठ्यचर्या का नाम : भारतीय समाज** | क्रेडिट: 04

सेमेस्टर:02

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**48**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**4**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	8
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई- 1. भारतीय समाज के अध्ययन का दृष्टिकोण; वृहत और लघु परंपरा, सार्वभौमिकरण और स्थानीयकरण; भारतीय सामाजिक व्यवस्था का परंपरागत आधार : पुरुषार्थ, वर्ण, वर्ग एवं जाति।

इकाई- 2. भारतीय समाज की रचना : नृजातीयता, जाति, वर्ग और जनजाति; गैर-हिंदुओं में जाति, जाति गतिशीलता; संवैधानिक प्रावधान - अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग; भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यक, एंग्लो-इंडियन।

इकाई- 3. भारतीय ग्राम : निरंतरता और परिवर्तन, जजमानी व्यवस्था, प्रभु जाति।

इकाई- 4. भारत में सामाजिक परिवर्तन : संकल्पना और प्रक्रिया, संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, धर्मनिरपेक्षता और भूमंडलीकरण(ग्लोबलाइजेशन); भारत में पिछड़ा वर्ग आंदोलन।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. भारतीय समाज के अध्ययन के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों की आलोचनात्मक समझ प्रदर्शित करने की स्थिति में होगें।
2. जाति, वर्ग और जनजाति समाज से सम्बंधित स्पष्ट समझ प्रदर्शित कर पायेंगे।
3. भारतीय गाँव की निरंतरता और परिवर्तन का स्पष्ट ज्ञान विकसित होगें।

28.10.20

4. भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन की प्रक्रिया से सम्बंधित स्पष्ट समझ होगी।

3. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** भारतीय समाज और अध्ययन का दृष्टिकोण 2. लघु और वृहद परम्परा, 3. सार्वभौमिकरण और स्थानीयकरण 4. भारतीय सामाजिक व्यवस्था का परंपरागत आधार 5. वर्ण, वर्ग एवं जाति	**16**	**1**	**3**	**20**	**30%**
मॉड्यूल 2	1. नृजातीयता, जाति और जनजाति 2. जाति गतिशीलता 3. संवैधानिक प्रावधान : अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति 4. भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यक	**12**	**1**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1. भारतीय ग्राम : निरंतरता और परिवर्तन, 2. जजमानी व्यवस्था, 3. प्रभु जाति	**8**	**1**	**1**	**10**	**20%**
मॉड्यूल 4	1. सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया 2. भारत में पिछड़ा वर्ग आंदोलन	**12**	**1**	**2**	**15**	**25%**
योग		**48**	**4**	**8**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा
विधियाँ	विद्यार्थियों से संवाद
तकनीक	व्याख्यान
उपादान	दृशयात्मक, पुस्तकें एवं पी.पी.टी

5. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x		x		x	x	x

टिप्पणी:

5 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

6 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

सम्बंधित पाठ्य सामग्री-

1. Bansal, I.J.S. 1984. *Anthropology in Indian Context*. New Delhi: Today & Tomorrow.

2. Bayly, S. 2001. *Caste, Society and Politics in India from the 18th Century to the Modern Age*. Cambridge: University Press.
3. Beteille, A. 1991. *Society and Politics in India*. Delhi: Oxford University Press.
4. Bose, N.K. 1961. *The Structure of Hindu Society*. Delhi: Orient Longman.
5. Cohn, B. 1971. *India: The Social Anthropology of a Civilization*. London: Prentice-Hall.
6. Danda, A.K. 1995. *Foundations of Anthropology in India*. New Delhi: Inter-India.
7. Dirks, N.B. 2001. *Castes of Mind: Colonialism and the Making of Modern India*. Princeton: Princeton University Press.
8. Donald S. Lopez, (ed.). 1995. *Religions of India in Practice*. Princeton University Press
9. Dumont, L. 1976. *Homo Hierarchicus*. Delhi: Vikas Publishing House.
10. Gupta, Dipankar (ed): *Social Stratification*. Delhi: Oxford University Press.
11. Hasnain, Nadeem. 1988. *Readings in Indian Anthropology*. New Delhi: Harnam Publications.
12. Heesterman, J. 1985. *The Inner Conflict of Tradition*. Chicago: Chicago University Press.
13. Inden, R. 1980. *Imagining India*. Oxford: Basil Blackwell.
14. Karve, Irawati. 1961. *Hindu Society: An Interpretation*. Poona: Deccan College.
15. Kashyap, Anand. 1995. *Anthropology of Indian Tradition*. Jaipur: RBSA Publishers.
16. Khilnani, S. 1997. *The Idea of India*. New Delhi: Penguin.

28.10.20 28.10.2020

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC204	**पेपर का नाम : शारीरिक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी-II**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:02	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**10**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**50**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

इकाई 1: शरीरमिती (चार सब्जेक्टस का मापन) – सिर की अधिकतम लम्बाई, सिर की अधिकतम चौड़ाई, बाईजाइगोमैटिक चौड़ाई, नासिका की ऊँचाई, नासिका की चौड़ाई, मुखमंडल की मॉर्फोलॉजिकल लम्बाई, सब्जेक्ट की ऊँचाई, बाईएक्रोमियल चौड़ाई, ऊपरी बाहु की मध्य गोलाई, वज़न.

इकाई 2:सूचकांक – बी.एम. आई., कपाल सूचकांक, नासिका सूचकांक, ऊपरी मुखमंडल का मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, मुखमंडल मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, जूगोफ्रंटल सचूकांक।

इकाई 3: सोमैटोस्कोपी (चार सब्जेक्ट पर) त्वचा का रंग, सिर के बाल, आँख, नाक, कान, और हनु.

इकाई 4: शरीरक्रिया विज्ञान- रक्तचाप, रंग आंधता. सिरोलॉजी – ए.बो.ओ. (ABO), आर. एच. (RH), रक्त समूह की पहचान, कैरियोटाईप।

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थि विभिन्न शरीरमितीय माप लेने में सक्षम होंगे.
2. वे विभिन्न सूचकांकों और सोमैटोस्कोपी की सहायता से मानव की विविधता जानेगें .
3. वे रक्तचाप, रंग आंधता से संबंधित माप सीखेंगे .
4. वे ए.बो.ओ. (ABO), आर. एच. (RH), रक्त समूह की पहचान करना सीखेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**		

मॉड्यूल 1	1. शरीरमिती (चार सब्जेक्टस का मापन) – सिर की अधिकतम लम्बाई, सिर की अधिकतम चौड़ाई, बाईजाइगोमैटिक चौड़ाई, नासिका की ऊँचाई, नासिका की चौड़ाई, मुखमंडल की मॉर्फोलॉजिकल लम्बाई, 2.सब्जेक्ट की ऊँचाई, बाईएक्रोमियल चौड़ाई, ऊपरी बाहू की मध्य गोलाई, वज़न.	0	**2**	**13**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 2	1. सूचकांक –कपाल सूचकांक, नासिका सूचकांक, ऊपरी मुखमंडल का मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, मुखमंडल मॉर्फोलॉजिकल सूचकांक, जूगोफ्रंटल सचूकांक। 2. बी.एम. आई.	**0**	**2**	**13**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1.सोमैटोस्कोपी (चार सब्जेक्ट पर) त्वचा का रंग, सिर के बाल, आँख, नाक, कान, और हनु.	**0**	**4**	**11**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 4	1.शरीरक्रिया विज्ञान- रक्तचाप, रंग आंधता. 2.सिरोलॉजी – ए.बो.ओ. (ABO), आर. एच. (RH), रक्त समूह की पहचान, कैरियोटाईप।	**0**	**2**	**13**	**15**	**25%**
योग		**0**	**10**	**50**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

18. प्रयोगिकी के विषयों को अच्छी तरह से पहले बताया जायेगा और प्रत्येक प्रयोगिकी, शिक्षक द्वारा प्रदर्शित की जायेगी.
19. शिक्षक के प्रयोगिकी प्रदर्शन के उपरांत सभी विद्यार्थियों का प्रयोगिकी प्रदर्शन आपेक्षित होगा . इस प्रकार से सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगिकी में निपुण हो जायेंगे.
20. प्रयोगिकी में प्रयुक्त विभिन्न मापों और सूचकांको का उपयोग किन-किन क्षेत्रों में होता है? इसके बारे में भी विद्यार्थियों को समझाया जायेगा.

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार

शारीरिक मानवविज्ञान में प्रयोगिकी- II पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	-	-	X	-	-	X

टिप्पणी :

5. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन/ परीक्षा योजना**

ख /प्रयोगशाला/परियोजना कार्य .स्टूडियो कार्य का मूल्यांकन-क्षेत्र/

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण/प्रयोगिकी पुस्तिका आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन/प्रयोगिकी परीक्षा	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

➢ **अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/**

- Chaurasia, B.D. 1984. *Human Osteology*. New Delhi: CBS..
- Das, B.M. and R. Deka. 2001. *Physical Anthropology Practical*. Allahabad: Kitab Mahal.
- Dwight, T. 1978. *The Identification of the Human Skeleton.* Boston: Massachusetts Medical Society.
- Mukherji, D., Mukherjee, D.P. and Bharati, P. 2009. *Laboratory manual for Biological Anthropology*. Kolkata.
- Sen, T. 1994. *Anthropometry.* Calcutta: The World Press.
- Shukla, B.R.K. and S. Ratogi. 2003. *Laboratory Manual of Physical Anthropology (Anthropometry and Osteology)*. Lucknow: Bharat Book Centre.
- Singh, I.P. and M. K. Bhasin. 2004. *A Manual of Biological Anthropology.* Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Singh, I.P. and M.K. Bhasin. 1989. *Anthropometry*. New Delhi: Kamla Raj Enterprises.
- Weiner, J. S. and J.A. Lourie. 1981. *Practicals in Human Biology*. London: Academic Press.

28.10.20

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAE201	**पेपर का नाम : न्यायिक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:02	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**46**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**9**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**5**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई : 1न्यायिक मानवविज्ञानपरिचय :, विषयक्षेत्र, मानवमिति।

इकाई : 2कंकाल अवशेष, अस्थियों की प्रकृति, मृतक का लिंग एवं आयु का निर्धारण, ऊंचाई का निर्धारण , दांत की प्रकृति द्वारा आयु निर्धारण।

इकाई : 3न्यायिक जीवविज्ञान परिचय :, महत्वपूर्ण शारीरिक तत्वों का अध्ययन एवं विधि विज्ञानी परीक्षण वीर्य –, लार, मूत्र।

इकाई : 4न्यायिक सीरमविज्ञान का प्रारंभिक व पुष्टिकारी परीक्षणरक्त :, रक्त का व्यक्तिकरण, रक्त समूह निर्धारण, विवादास्पद पितृत्व में रक्त साक्ष्य की सार्थकता

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

  1.विद्यार्धि न्यायिक मानवविज्ञान के बारे में जानेंगे।

  2. वे कंकाल अवशेष से लिंग तथा आयु निर्धारण करना सीखेंगे ।

  3.वे न्यायिक जीवविज्ञान को समझेंगे

  4. वे न्यायिक सीरमविज्ञान में भी जानेंगे।

28.10.20

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ**		
मॉड्यूल 1	1.न्यायिक मानवविज्ञान: परिचय, 2.विषयक्षेत्र, 3.मानवमिति।	**7**	**1**	**2**	**10**	**20%**
मॉड्यूल 2	1.कंकाल अवशेष, 2.अस्थियों की प्रकृति, 3.मृतक का लिंग एवं 4.आयु का निर्धारण, 5.ऊंचाई का निर्धारण , 6.दांत की प्रकृति द्वारा आयु निर्धारण।	**17**	**1**	**2**	**20**	**30%**
मॉड्यूल 3	1.न्यायिक जीवविज्ञान : परिचय, 2.महत्वपूर्ण शारीरिक तत्वों का अध्ययन एवं विधि 3.विज्ञानी परीक्षण – वीर्य, लार, मूत्र।	**10**	**2**	**3**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 4	1.न्यायिक सीरमविज्ञान : 2.रक्त का प्रारंभिक व पुष्टिकारी परीक्षण, 3.रक्त का व्यक्तिकरण, 4.रक्त समूह निर्धारण, 5.विवादास्पद पितृत्व में रक्त साक्ष्य की सार्थकता	**12**	**3**	**0**	**15**	**25%**
योग		**46**	**9**	**5**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

21. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
22. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेल/व्हाट्सऐप के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।

23. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
24. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न-उत्तर सत्र के लिए समर्पित होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा । प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी. यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे । इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं ।
25. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभी-कभी काफी स्वाभाविक है, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।
26. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सेमीनार, सत्रीय पत्र में उनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं, बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी । अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।
27. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन (रीडिंग) को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा ।

➢ पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
न्यायिक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

6. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
7. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

➢ मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ग. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा** (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

28.10.20 28/10/2020

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

- **अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**

1. Reddy and murthi (2015), The Essentials of Forensic Medicine and Toxicology, Jaypee Brothers Medical Publishers.
2. Meithil and Rao (2013), Crime Scene Management a forensic Approach, selective & Scientific Books.
3. Alan Gunn (2009), Essential Forensic Biology, Wiley-Blackwell.
4. Krishnamurthi R (2014), Forensic Biology, Selective and scientific books.
5. Balu & Ubelaker (2016) Handbook of Forensic Anthropology and archaeology, Rout Book Publishers.
6. Mitra & Chaubey (2004) Prayogik Manavvigyan, (Sharirik), Madhya Pradesh Hindi Granth Academy, Bhopal

28.10.20 28.10.2020

एम.ए. मानवविज्ञान		
कोड : ANMAE202	**पाठ्यचर्या का नाम: पारिस्थितिकीय मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:02	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**2**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**2**
कुल क्रेडिट घंटे	30

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1 :पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा तथा मानवविज्ञान में इसकी उपयोगिता; मानव तथा जैवमण्डल; पर्यावरण और संस्कृति के मध्य संबंध; मानव पारिस्थितिकी तंत्र

इकाई 2 : शिकारियों, संग्रहकर्ताओं तथा पशुपालकों की पारिस्थितिकी; देशज पर्यावरणीय ज्ञान तथा विकास; भारतीय परिप्रेक्ष में पर्यावरणीय आंदोलन; पर्यावरणीय दुर्दशा और मानव स्वास्थ्य

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

  1.विद्यार्थी पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा के बारे में जानेंगे।

  2. वे मानवविज्ञान में पारिस्थितिकी तंत्र की उपयोगिता और मानव तथा जैवमण्डल के बारे में जानेंगे।

  3.वे पर्यावरण और संस्कृति के मध्य संबंध को समझेंगे

  4. वे शिकारियों, संग्रहकर्ताओं तथा पशुपालकों की पारिस्थितिकी के बारे में भी जानेंगे।

  5. वे देशज पर्यावरणीय ज्ञान के बारे में जानेंगे।

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल	**1.** पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा					

28.10.20 28/10/2020

1	2. मानवविज्ञान में पारिस्थितिकी तंत्र की उपयोगिता 3. मानव तथा जैवमण्डल; पर्यावरण और संस्कृति के मध्य संबंध 4. मानव पारिस्थितिकी तंत्र	**13**	**1**	**1**	**15**	**50%**
मॉड्यूल 2	1. शिकारियों, संग्रहकर्ताओं तथा पशुपालकों की पारिस्थितिकी 2. देशज पर्यावरणीय ज्ञान तथा विकास 3. भारतीय परिप्रेक्ष में पर्यावरणीय आंदोलन 4. पर्यावरणीय दुर्दशा और मानव स्वास्थ्य	**13**	**1**	**1**	**15**	**50%**
योग		**26**	**2**	**2**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

7 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

8 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

- विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
- विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

- Moran, E.F. 2008. Human Adaptability: An Introduction to Ecological Anthropology. New York. Westview Press.
- Kormondy, E.J. and Brown, D.E. 1998. Fundamentals of Human Ecology. New Jersey, Prentice Hall.
- Milton, K. 1996.Environmentalism and Cultural Theory: Exploring the Role of Anthropology in Environmental Discourse. Routledge, London/New York

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC301	**पेपर का नाम : शोध पद्धतिशास्त्र -I**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:03	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**44**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**6**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**10**
कुल क्रेडिट घंटे	60

<u>पाठ्यचर्या विवरण</u>

इकाई 1: मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परम्परा, क्षेत्रकार्य सम्बंधित परेशानियां और तनाव, क्षेत्र कार्य- सौहार्द्र स्थापन (रेपो),सांस्कृतिक आघात, मुख्य सूचनादाता.

इकाई 2: शोध की परिभाषाएँ, शोध के उद्देश्य,शोध के चरण, शोध अभिकल्प, शोध समस्या और शोध प्रश्न का निर्माण, परिकल्पना और चर

इकाई 3: शोध की तकनीक एवं पद्धतियाँ: सर्वेक्षण, प्रश्नावली, अनुसूची, अवलोकन, साक्षात्कार, व्यैक्तिक अध्ययन,जीवन वृत्त और वंशावली पद्धति.

इकाई 4: सहभागी पध्दतिशास्त्र: त्वरित ग्रामीण मूल्यांकन (आर.आर.ए.),सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पी.आर.ऐ.), सहभागी अधिगम क्रिया (पी.आर.ऐ.) और केंद्रीत समूह परिचर्चा।

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी फील्डवर्क और नृविज्ञान के साथ इसके संबंध के बारे में जानेंगे।
2. वे फील्डवर्क की तैयारी और क्षेत्र कार्य- सौहार्द्र स्थापना (रेपो) की तकनीक का उपयोग करना सीखेंगे।
3. वे शोध समस्या,शोध उद्देश और शोध प्रश्न का निर्माण करना सीखेंगे.
4. वे आंकडें संकलन करने की विभिन्न विधियों में निपुण होंगे।
5. वे सहभागी पद्धतियों के अनुप्रयोगों को समझेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल	1.मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परम्परा,		**2**	**1**		

1	2.क्षेत्रकार्य सम्बंधित परेशानियां और तनाव, 3.क्षेत्र कार्य- सौहार्द्र स्थापन (रेपो), 4.सांस्कृतिक आघात, 5.मुख्य सूचनादाता.	8			11	20%
मॉड्यूल 2	1.शोध की परिभाषाएँ, 2.शोध के उद्देश्य, 3.शोध के चरण, 4.शोध अभिकल्प, 5.शोध समस्या और शोध प्रश्न का निर्माण, 6.परिकल्पना 7.चर	19	2	4	25	25%
मॉड्यूल 3	1.शोध की तकनीक एवं पद्धतियाँ: सर्वेक्षण 2.प्रश्नावली, 3.अनुसूची, 4.अवलोकन, 5.साक्षात्कार, 6.व्यैक्तिक अध्ययन, 7.जीवन वृत्त और 8.वंशावली पद्धति.	11	1	2	14	30%
मॉड्यूल 4	1.सहभागी पध्दतिशास्त्र: त्वरित ग्रामीण मूल्यांकन (आर.आर.ए.), 2.सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पी.आर.ऐ.), 3.सहभागी अधिगम क्रिया (पी.आर.ऐ.) और 4.केंद्रीत समूह परिचर्चा।	06	1	3	10	25%
योग		44	6	10	60	100

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

28. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
29. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेल/व्हाट्सऐप के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
30. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।

31. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न-उत्तर सत्र के लिए समर्पित होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी. यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।
32. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभी-कभी काफी स्वाभाविक है, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।
33. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सेमीनार, सत्रीय पत्र में उनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं, बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी। अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।
34. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन (रीडिंग) को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा।

- **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शारीरिक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

8. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

- **मूल्यांकन/ परीक्षा योजना**

घ. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा** (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

28.10.20

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

- Amit, V. 1999. *Constructing the Field.* London: Routledge.
- Bechhofer, F. and L. Paterson. 2000. *Principles of Research Design in the Social Sciences*. London: Routledge.
- Beteille, A. and T. N. Madan. 1975. *Encounter and Experience.* New Delhi: Vikas.
- Burgess, R. G. 1984. *In the Field: An Introduction to Field Research.* London: Routledge.
- Ellen, R. F. 1984. *Ethnographic Research: A Guide to General Conduct*. London: Academic Press.
- Epstein, A.L. 1978. *Crafts in Social Anthropology.* Delhi: Hindustan Publishing Corp.
- Foster, G. M. *et al*. 1979. *Long Term Field Research in Social Anthropology*. New York: Academic Press.
- Frelich, M. 1970. *Marginal Natives: Anthropologists at Work.* New York: Harper & Sons.
- Goode, W.J. and P.K. Hatt. 1981. *Methods in Social Research*. Singapore: McGraw-Hill Book Company.
- Herle, A. 1998. *Cambridge and the Torres Strait.* Cambridge: University Press.
- Jongmans, D.G. and P.C.W. Gutkind. 1967. *Anthropologists in the Field*. Assen: Van Gorcum & Company.
- Kumar, Somesh. 2002. *Methods for Community Participation*. New Delhi: Vistaar.
- Levinson, D. and M Ember (eds), 1996. *Ency. of Cultural Anthropology*, Vol.2, New York: Henry, Holt & Co.
- Russell, Bernard, H. 1995. *Research Methods in Anthropology: Qualitative and Quantitative Approaches*. Walnut Creek, CA: AltaMira Press.
- Sarana, G. 1975. *The Methodology of Anthropology.* New York: The University of Arizona Press.
- Srinivas, M.N. 1983. *The Observer and the Observed.* Faculty Lecture 1, Faculty of Arts and Social Sciences, University of Singapore.
- Stocking, G.W. 1983. *Observers Observed: Essays on Ethnographic Fieldwork.* Madison: The University of Wisconsin Press.
- Williams, T. R. 1967. *Field Methods in the Study of Culture.* London: Holt, Rinehart and Winston.

28.10.20

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC302	**पाठ्यचर्या का नाम: मानवशास्त्रीय सिद्धांत-2**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:03	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: संरचनवाद; सामाजिक संरचना एक मॉडल के रूप में; टोटम और मिथक का संरचनात्मक विश्लेषण

इकाई 2: न्यू एथनोग्राफी; एथ्नोसाइन्स और एथ्नो सिमेंटिक्स; संज्ञानात्मक मानवविज्ञान, एथनोग्राफी की उत्तर-आधुनिक आलोचना

इकाई 3: व्याख्यात्मक एवं सांकेतिक मानवविज्ञान

इकाई 4: उत्तर-आधुनिकता, डायस्पोरा, राष्ट्रीय चरित्र, बहुसंस्कृतिवाद, नृजातीयता, नागरिक समाज

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

  1.विद्यार्थी मानवशास्त्रीय सिद्धांतों के बारे में जानेंगे।

  2. वे मानवशास्त्र के आधुनिक चिंतन के बारे में जानेंगे।

- **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल	**1.** संरचनवाद					

28.10.20 28.10.2020

1	2. सामाजिक संरचना एक मॉडल के रूप में 3. टोटम और मिथक का संरचनात्मक विश्लेषण	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 2	1. न्यू एथनोग्राफी 2. एथ्नोसाइन्स और एथ्नो सिमेंटिक्स 3. संज्ञानात्मक मानवविज्ञान	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1. व्याख्यात्मक मानवविज्ञान 2. सांकेतिक मानवविज्ञान	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 4	1. उत्तर-आधुनिकता 2. डायस्पोरा 3. राष्ट्रीय चरित्र 4. बहुसंस्कृतिवाद 5. नृजातीयता 6. नागरिक समाज	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
योग		**52**	**4**	**4**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

9 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

- Tylor, Stephen. 1969. "Introduction to Cognitive Anthropology," New York, Rinehart And Winston.Wolf, Eric R., 1982. Europe and the People Without History. German. Frankfurt: Campus.
- Levi-Strauss, Claude, 1969. Totemism; tr by Rodney Needham. Boston Beacon Press
- Harris, Marvin 1968. The Rise of Anthropological Theory. New York: Crowell.
- Clifford, James and George Marcus (eds.). 1986. Writing Culture: The Poetics and Politics of Ethnography. Berkeley: University of California Press.

28.10.20

- Douglas, Mary.1966.Purity and Danger: An Analysis of Concepts of Pollution and Taboo. London: Routledge.
- Geertz, Clifford 1973. The Interpretation of Cultures. New York: Basic Books. ["Thick Description", "The Impact of the Concept of Culture on the Concept of Man", "Deep Play: Notes on the Balinese Cockfight"]
- Levi-Strauss, Claude 1963in Levi-Strauss, Structural Anthropology. Trans. Claire Jacobson. New York: Basic Books. (Introduction, Structural Analysis in Linguistics and Anthropology)
- Upadhyay, V.S. & Gaya Pandey.1990. History of Anthropological Thought. New Delhi: Concept Publishing House.

28.10.20 28.10.2020

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC303	**पाठ्यचर्या का नाम : जनजातीय भारत**	क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:03	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**49**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**5**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**6**
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई- 1. जनजाति: परिभाषा, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं संकल्पना। भारत में जनजातियां : वितरण एवं वर्गीकरण (भौगोलिक, जनसंख्या, भाषायी, प्रजातीय (Racial), आर्थिक, सांस्कृतिक संपर्क एवं धार्मिक विश्वास)।

इकाई- 2. जाति और जनजाति : जाति-जनजाति निरंतरता, अनुसूचित जनजातियाँ, विशेष संवेदनशील आदिवासी समूह (PVTG), विमुक्त जनजातियाँ (Denotified Tribes) एवं घुमंतू जनजातियाँ (Nomadic Tribes) ।

इकाई- 3. आदिवासी समस्या और आदिवासी आंदोलन : जनजातीय समुदाय की समस्याएं: ऋणग्रस्तता, भूमि हस्तांतरण, गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य, विस्थापन तथा पुनर्वास संबंधी समस्याएं, जनजाति अस्मिता (पहचान की समस्या) और जनजाति आंदोलन।

इकाई- 4. जनजाति, विकास ओर मानवविज्ञान : विकासकारी नीतियां, पेशा एक्ट (PESA Act), अनुसूचित जनजाति के लिए संवैधानिक प्रावधान, जनजाति विकास नीतियां, प्रादर्श (Model) एवं जनजाति उपयोजनाएं (Tribal Sub-Plans), वन नीतियां, जनजाति विकास में मानवविज्ञान की भूमिका।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. जनजातियों के सामान्य तथा विशेष विशेषताओं से अवगत हो पाएंगे।
2. जाति जनजाति, अनुसूचित जनजाति, अतिसंवेदनशील जनजाति एवं विमुक्त जनजातियों की विशेषताओं के साथ उनमें अंतर स्थापित कर पायेंगे।
3. जनजातीय समुदाय की समस्याएँ, अस्मिता एवं उनके आंदोलन से परिचित होगें।

28.10.20 28/10/2020

4. जनजातीय विकास की नीतियों, योजना, संवैधानिक प्रावधान तथा जनजाति विकास में मानवविज्ञान की भूमिका से विद्यार्थी अवगत हो पायेंगे।

3. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** जनजाति, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं संकल्पना **2.** भारत में जनजातियां: वितरण एवं वर्गीकरण	**13**	**1**	1	15	**25%**
मॉड्यूल 2	1. जाति-जनजाति निरंतरता 2. अनुसूचित जनजातियाँ तथा विशेष संवेदनशील आदिवासी समूह (PVTG), 3. विमुक्त जनजातियाँ (Denotified Tribes) एवं घुमंतू जनजातियाँ (Nomadic Tribes)।	**12**	1	2	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1. जनजाति की समस्याएं 2. विस्थापन तथा पुनर्वास 3. जनजाति अस्मिता, जनजाति आंदोलन।	**11**	2	**2**	15	25%
मॉड्यूल 4	1.विकासकारी नीतियां: पेशा एक्ट 2. अनुसूचित जनजाति के लिए संवैधानिक प्रावधान, 3.जनजाति विकास नीतियां, प्रादर्श एवं जनजाति उपयोजनाएं 4. जनजाति विकास में मानव विज्ञान की भूमिका 5. वन नीतियां	13	1	1	**15**	**25%**
योग		**49**	**5**	**6**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा , क्षेत्रीय भ्रमण
विधियाँ	विद्यार्थियों से संवाद , प्रतिवेदन एवं साहित्य पुनरावलोकन
तकनीक	व्याख्यान , सामुदायिक सहभागिता एवं विवेचन

उपादान	दृशयात्मक, पुस्तकें , पी.पी.टी एवं क्षेत्रीय भ्रमण

5. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x		x	x	x	x	x

टिप्पणी:

1 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

1. मलिक ओर कुमार .(2019). विकास, पर्यावरण और आदिवासी समाज, के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली.
2. मुखर्जी एवं मलिक .(2014). मध्य भारत के आदिवासी : समस्याएं एवं संभावनाउँ. के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली.

28.10.20

3. मलिक एवं मुखर्जी .(2015). आदिवासी अशांति : कारण, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं.
4. नदीम हसनैन, (2016). जनजातीय भारत,नई दिल्ली, जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीव्युटर्ष.
5. Behera, D.K. and Georg Pfeffer. *Contemporary Society Tribal Studies*, Volume I to VII. New Delhi: Concept Publishing Company.
6. Georg Pfeffer. *Hunters, Tribes and Peasant: Cultural Crisis and Comparison*. Bhubaneswar: Niswas.
7. National Tribal policy (draft). Ministry of tribal Affairs, Government of India.
8. Shah G. (2002), social movement and the shah. Delhi: Sage.
9. Vidyarthi, L.P. and B.K. Rai. *Applied Anthropology in India*.
10. Vidyarthi, L.P. and B.N. Sahay. *Applied Anthropology and Development in India*. New Delhi: National Publishing House.

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC304	**पेपर का नाम : पुरातात्विक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:03	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	**52**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: उपकरण शब्दावलियां,उत्खनन की विधियाँ ,पुरातात्विक उत्खनन स्थल के प्रकार .
इकाई 2: पुरापाषाणकाल, मध्य पाषाणकाल और नव पाषाणकाल की उपकरण निर्माण तकनीकि व प्रारूप।
इकाई 3: कोर एवं फलक उपकरण परम्परा
इकाई 4: पुरापाषाणकाल, मध्य पाषाणकाल और नव पाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण.

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थि सीखेंगे कि प्रागैतिहासिक उपकरण कैसे बनाएं, पहचानें और व्याख्या करें।
2. वे पुरातात्विक उत्खनन स्थल की पहचान कर पायेंगे.
3. वे पुरातात्विक उपकरण निर्माण तकनीकि जान पायेंगे.
4. वे पुरातात्विक कोर एवं फलक उपकरण परम्परा से अवगत होंगे.

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)***			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल**	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**		
मॉड्यूल 1	1.उपकरण शब्दावलियां, 2.उत्खनन की विधियाँ ,		**2**	**05**	**7**	**12%**

28.10.20

	3.पुरातात्विक उत्खनन स्थल के प्रकार .	0				
मॉड्यूल 2	1.पुरापाषाणकाल के उपकरण निर्माण तकनीकि व प्रारूप। 2.मध्य पाषाणकाल के उपकरण निर्माण तकनीकि व प्रारूप। 3.नव पाषाणकाल की उपकरण निर्माण तकनीकि व प्रारूप।	**0**	**2**	**13**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1.कोर उपकरण परम्परा 2.फलक उपकरण परम्परा	**0**	**2**	**13**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 4	1.पुरापाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण. 2.मध्यपाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण. 3.नवपाषाणकाल के उपकरणों का वैज्ञानिक चित्रण.	**0**	**2**	**21**	**23**	**38%**
योग		**0**	**08**	**52**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

35. प्रयोगिकी के विषयों को अच्छी तरह से पहले बताया जायेगा और प्रत्येक प्रयोगिकी, शिक्षक द्वारा प्रदर्शित की जायेगी.
36. शिक्षक के प्रयोगिकी प्रदर्शन के उपरांत सभी विद्यार्थियों का प्रयोगिकी प्रदर्शन आपेक्षित होगा . इस प्रकार से सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगिकी में निपुण हो जायेंगे.
37. प्रयोगिकी में प्रयुक्त विभिन्न मापों और सूचकांको का उपयोग किन-किन क्षेत्रों में होता है? इसके बारे में भी विद्यार्थियों को समझाया जायेगा.

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
पुरातात्विक मानवविज्ञान में	X	X	X	-	-	X	-	-	X

प्रयोगिकी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति									

टिप्पणी :

9. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन/ परीक्षा योजना**

ख /प्रयोगशाला/परियोजना कार्य .स्टूडियो कार्य का मूल्यांकन-क्षेत्र/

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी** (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण/प्रयोगिकी पुस्तिका आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन/प्रयोगिकी परीक्षा	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/

- Barnow, V. 1989. Introduction to Physical Anthropology and Archaeology: Chicago: The Dosery Press.
- Bhattacharya D.K. 1972. Prehistoric Archaeology. New Delhi: Hindustan Publishing Corporation.
- Bhattacharya D.K. 1979. Old Stone Age Tools and Techniques. Calcutta: K.P. Bagchi Company.
- Bhattacharya D.K. 1996. Palaeolithic Europe. Amsterdam: Humanities Press.
- Bhattacharya, D. K. 2017. An Outline of Indian Prehistory. New Delhi: Palaka Prakashan.
- Burkitt, M. C. 1985. The Old Stone Age: A Study of Palaeolithic Times. New Delhi: Rupa &Co.
- Champion et al. 1984. Prehistoric Europe. New York: Academic Press.
- Fagan B.M. 1983. People of Earth: An Introduction. Boston: Little, Brown & Company.

- Fagan, Brian. M. 2009. The complete Ice Age: how climate change shaped the world. London:Thames & Hudson
- Gamble, Clive. 2002. Archaeology: the basics. London: Routledge.
- Hole, F. and R.F. Heizer. 1973. Introduction to Prehistoric Archaeology. New York: Holt,
  Rinehart and Winston.
- Nilson, Tage. 1983. The Pleistocene: Geology and Life in the Quaternary Ice Age. London:
  Reidel.
- Rajan, K. 2002. Archaeology: Principles and Methods. Thanjavur: Pathippakam
- Rami Reddy, V. 2014. Elements of Prehistory. Tirupati: V. Indira.
- West, R.G. 1968. Pleistocene geology and biology: with especial reference to the British Isles.University of Michigan.

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAE301	**पाठ्यचर्या का नाम: नगरीय मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:03	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: नगरीय मानवविज्ञान का अभिप्राय, लक्ष्य/प्रयोजन और विषय वस्तु, नगरों और सभ्यताओं का उदय, नगरों के प्रकार

इकाई 2: लोक-नगर निरंतरता, नगरीकरण, नगरीय पारिस्थितिकी, गरीबी/अभाव की संस्कृति

इकाई 3: नगरीय सामाजिक संरचना और परिवर्तन, विविधता, पड़ोस, मलीन बस्ती, नगरी परिवेश मे क्षेत्रकार्य

इकाई 4: नगरीय-औद्योगिक परिवेश में बहुसंस्कृतिवाद, बहु-नृजातीयता और सांस्कृतिक समन्वय

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी नगरी समाज के बारे में जानेंगे।

2. वे नगरों मे हो रहे संरचनात्मक परिवर्तनों के बारे में जानेंगे।

3.वे नगरों में बहुसंस्कृतिवाद, बहु-नृजातीयता और सांस्कृतिक समन्वय को समझेंगे

4. वे लोक-नगर निरंतरता, नगरीकरण, नगरीय पारिस्थितिकी के बारे में भी जानेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** नगरीय मानवविज्ञान का अभिप्राय 2. लक्ष्य/प्रयोजन और विषय वस्तु	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**

28.10.20

	3. नगरों और सभ्यताओं का उदय 4. नगरों के प्रकार					
मॉड्यूल 2	1. लोक-नगर निरंतरता 2. नगरीकरण 3. नगरीय पारिस्थितिकी 4. गरीबी/अभाव की संस्कृति	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1. नगरीय सामाजिक संरचना और परिवर्तन 2. नगरीय सामाजिक में विविधता, पड़ोस, मलीन बस्ती 3. नगरी परिवेश मे क्षेत्रकार्य	13	1	1	15	**25%**
मॉड्यूल 4	1. नगरीय-औद्योगिक परिवेश में बहुसंस्कृतिवाद, बहु-नृजातीयता और सांस्कृतिक समन्वय	13	1	1	15	**25%**
योग		**52**	**4**	**4**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

11 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

12 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**

(Text books/Reference/Resources)

- Bose, Ashish 1973. Studies in India’s Urbanisation 1901-1917. Tata McGraw Hill: New Delhi
- Flanagan, William G. 1993. Contemporary Urban Sociology. Cambridge University Press: Cambridge.
- Gore, M.S. 1970. Immigrants and Neighbourhoods: Two Aspects of Life in Metropolitan City. Bombay. Tata Institute of Social Sciences: Bombay
- Mukherjee. R. 1974. Urbanisation and Social Transformation. In M.S.A. Rao (ed) Urban Sociology in India. Orient Longman: New Delhi
- Rao, M.S.A. (ed.) 1974. Urban Sociology in India. Orient Longman: New Urban Social Structure Delhi
- Redfield, R. 1941. Folk Culture of Yukatan, Chicago University Press, Chicago

28.10.20

- Singer, M. 1972. When A Great Tradition Modernizes: An Anthropological Approach to Indian Civilization, Chicago University Press, Chicago.
- Singh, Y. 1986. Modernisation of Indian Tradition. Rawat Publication: Jaipur
- Singh, Y.1993. Social Change in India: Crisis and Resilience, Har Anand Publication, New Delhi
- Srinivas, M.N. 1985.Caste in Modern India and Other Essays, Media Publishers, Bombay
- Sunders, Peter 1981. Socia! Theory and the Urban Questjon. Hutchinson and Co. Ltd.: London.

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAE302	पाठ्यचर्या का नाम: चिकित्सा मानवविज्ञान	क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:03	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	46
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	7
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: चिकित्सीय मानवविज्ञान : परिभाषा, उद्देश्य, कार्यक्षेत्र और विषय वस्तु; चिकित्सीय मानवविज्ञान का ऐतिहासिक विकास। स्वास्थ्य और बीमारी के संबंध में संस्कृति और जीवन शैली की अवधारणा।

इकाई 2: स्वास्थ समस्या और स्वास्थ नीति : चिकित्सीय मानवविज्ञान की मूलभूत अवधारणाएँ- रोग, रुग्णता एवं बीमारी; चिकित्सक-मरीज संबंध, संस्कृति जनित सिंड्रोम। संचारी और गैर संचारी रोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार सर्वक्षण-4 ।

इकाई 3: चिकित्सा प्रणाली और स्वास्थ कार्यक्रम : चिकित्सीय मानवविज्ञान के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य- सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिकीय तंत्र और लोक चिकित्सा प्रणाली; स्वास्थ्य संवर्धन और स्वास्थ्य कार्यक्रम; पोषण, आर.सी.एच., परिवार कल्याण, स्वास्थ्य शिक्षा ।

इकाई 4: पारंपरिक उपचार पद्धतियां, प्राथमिक स्वास्थ, चिकित्सीय बहुलता और चिकित्सा साखिकी : औषधि का पारंपरिक तंत्र- शास्त्रीय तंत्र वैकल्पिक व्यवस्था; एथनोंमेडिसिन (लोक चिकित्सा) एवं चिकित्सीय बहुलता। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और अल्मा अता घोषणा; चिकित्सा सांख्यिकी (Medical Statistics): रुग्णता और मृत्यु दर (Mortality Rate) का मापन।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. चिकित्सा मानवविज्ञान के विषयक्षेत्र से अवगत कराया जाएगा।
2. परंपरागत चिकित्सा पद्धति एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धति के विभिन्न पक्षों, NHFS-4 तथा राष्ट्रीय स्वास्थ नीति से अवगत कराया जाएंगा।
3. बीमारी के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष, चिकित्सा प्रणाली तथा स्वास्थ कार्यक्रम से परिचित होंगे।

28.10.20

4. चिकित्सा बहुलवाद तथा चिकित्सा सांखिकी से परिचित कराया जाएंगा।

3. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. चिकित्सीय मानवविज्ञान 2. चिकित्सीय मानवविज्ञान का ऐतिहासिक विकास 3. स्वास्थ्य और बीमारी	**7**	**1**	**2**	**10**	**20%**
मॉड्यूल 2	1. चिकित्सीय मानवविज्ञान की मूलभूत अवधारणाएँ 2. चिकित्सक-मरीज संबंध 3. राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति एवं एन.एच.एफ़.एस-4.	**10**	**2**	**3**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1. चिकित्सीय मानवविज्ञान के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य 2. जनजाति एवं लोक चिकित्सा 3. स्वास्थ्य संवर्धन और स्वास्थ्य कार्यक्रम	**17**	**1**	**2**	**20**	**30%**
मॉड्यूल 4	1. औषधि का पारंपरिक तंत्र 2. एथनोमेडिसिन एवं चिकित्सीय बहुलता 3. चिकित्सा सांख्यिकी 4. प्राथमिक स्वास्थ देखभाल और आल्म अता घोषणा	**12**	**3**	**0**	**15**	**25%**
योग		**46**	**7**	**7**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा, प्रयोगशाला, कौशल विकास गतिविधियां एवं क्षेत्रकार्य
विधियाँ	प्रायोगिक, प्रतिवेदन एवं विद्यार्थियों से संवाद
तकनीक	व्याख्यान, प्रयोगिकी एवं साहित्यपुनरावलोकन
उपादान	दृशयात्मक, पुस्तकें एवं पी.पी.टी

28.10.20 28/10/2020

5. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x	x	x	x	x	x	x

टिप्पणी:

1. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

1. Alland, A.D. Jr. 1970. *Adaptation in Cultural Evolution: An Approach to Medical*
2. *Anthropology*. New York: Columbia University Press.
3. Banerjee, B.G. and Jalota, Ritula. 1988. *Folk Illness and Ethnomedicine*. New Delhi: Northern Book Centre.

28.10.20

4. Basu, S. 1994. *Tribal Health in India.* Delhi: Manak Publications.
5. Budd, Susan and Ursula Sharma. 1994. *The Healing Bond: The Patient-Practitioner.Relationship and Therapeutic Responsibility*. London: Routledge.
6. Caudill, W. 1953. *Applied Anthropology in Medicine.* Chicago: University of Chicago Press.
7. Chaudhuri, B. (ed.) 1986. *Tribal Health: Socio-Cultural Dimensions*. New Delhi: Inter-India Publication.
8. Foster, G.M. 1978. *Medical Anthropology*. New York: John Wiley.
10. Freund, P.E.S. and M. McGuire. 1995. *Health, Illness and the Social Body*. NJ: Prentice-Hall.
11. Good, Byron J. 1993. *Medicine, Rationality and Experience: An An*

28.10.20

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC401	**पेपर का नाम : शोध पद्धतिशास्त्र -II**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:04	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**50**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**5**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**5**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: शोध के सैध्दांतिक दृष्टिकोण – प्रत्यक्षवाद, उत्तकर-प्रत्यीक्षवाद, ऐतिहासिक भौतिकवाद, द्वंदात्मक भौतिकवाद, नृजातिवृतांतों की उत्तरआधुनिक आलोचना .

इकाई 2: मानवशास्त्रीय शोध में व्यक्तिनिष्ठरता और परावर्तिता की समस्या, नृजातीप्रणालीविज्ञान,प्रघटनाविज्ञान, अंतर्वस्तु विश्लेषण, आधारित सिद्धांत, आख्यान विश्लेषण, मौखिक इतिहास.

इकाई 3: जनसंख्या और प्रतिदर्श, निदर्शन अभिकल्प:सरल यादृच्छिक (रैंडम) निदर्शन, स्तरीकृत यादृच्छिक निदर्शन, क्रमबद्ध निदर्शन ,गुच्छ (क्लस्टर) निदर्शन ,बहुस्तरीय (मल्टी स्टेज) निदर्शन , गैर-यादृच्छिक निदर्शन.

इकाई 4: वर्णनात्मक सांख्यिकी: केंद्रीय प्रवृत्ति के माप-माध्य,माध्यका, बहुलांक (मोड);विचलनशीलता के माप:प्रसार (रेंज),विचरण और प्रमाप विचलन,वैषम्य (Skewness), कुकुदता (Kurtosis); सार्थकता परिक्षण: अनुपात परीक्षण, माध्य परीक्षण(टी-टेस्ट). काई स्क्वायर साहचर्य का परीक्षण,साहचर्य संबंधित मान,रैखिक प्रतिगमन,प्रसरण विश्लेषण (ANOVA) .

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी शोध के सैध्दांतिक दृष्टिकोण को जानेंगे।
2. वे गुणात्मक शोध प्रविधियों के उपयोग करना सीखेंगे।
3. वे निदर्शन अध्ययन के प्रारूप को, आंकड़ों के सांख्यिकीय विवरण को तथा सांख्यिकीय परीक्षण के महत्व को समझेंगे .
4. वे साहचर्य के विभिन्न मानों की गणना और व्याख्या करना;काई स्क्वायर परीक्षण करना ; रैखिक प्रतिगमन के साथ काम करना ; तथा प्रसरण विश्लेषण में निपुण होंगे।

28.10.20 28/10/2020

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1.शोध के सैध्दांतिक दृष्टिकोण – प्रत्यक्षवाद, 2.उत्तर-प्रत्यक्षवाद, 3.ऐतिहासिक भौतिकवाद, 4.द्वंदात्मक भौतिकवाद, 5.नृजातिवृतांतों की उत्तरआधुनिक आलोचना .	9	1	0	10	17%
मॉड्यूल 2	1.मानवशास्त्रीय शोध में व्यक्तिनिष्ठरता और परावर्तिता की समस्या, 2.नृजातीप्रणालीविज्ञान, 3.प्रघटनाविज्ञान, 4.अंतर्वस्तु विश्लेषण, 5.आधारित सिद्धांत, 6.आख्यान विश्लेषण, 7.मौखिक इतिहास.	15	2	0	17	28%
मॉड्यूल 3	1.जनसंख्या और प्रतिदर्श, 2.निदर्शन अभिकल्प: सरल यादृच्छिक (रैंडम) निदर्शन, 3.स्तरीकृत यादृच्छिक निदर्शन, 4.क्रमबद्ध निदर्शन , 5.गुच्छ (क्लस्टर) निदर्शन , 6.बहुस्तरीय (मल्टी स्टेज) निदर्शन , 7. गैर-यादृच्छिक निदर्शन.	08	1	2	11	18%
मॉड्यूल 4	1.केंद्रीय प्रवृत्ति के माप-माध्य,माध्यका, बहुलांक (मोड); 2.विचलनशीलता के माप:प्रसार (रेंज),विचरण और प्रमाप विचलन, 3.वैषम्य (Skewness),	18	1	3	22	37%

	4.कुकुदता (Kurtosis); 5.सार्थकता परिक्षण: अनुपात परीक्षण, माध्य परीक्षण(टी-टेस्ट). 6.काई स्क्वायर साहचर्य का परीक्षण, 7.साहचर्य संबंधित मान, 8.रैखिक प्रतिगमन, 9.प्रसरण विश्लेषण (ANOVA) .					
योग		**50**	**05**	**05**	**60**	**100**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

- **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

38. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।
39. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेल/व्हाट्सऐप के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।
40. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।
41. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न-उत्तर सत्र के लिए समर्पित होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी. यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं।
42. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभी-कभी काफी स्वाभाविक है, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।
43. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सेमीनार, सत्रीय पत्र में उनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं, बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी। अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।

28.10.20

44. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन (रीडिंग) को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा।

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शोध पद्धतिशास्त्र -II पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

10. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन/ परीक्षा योजना**

ङ. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**

- Altman, D. G. 1991. *Practical Statistics for Medical Research*. London: Chapman and Hall.
- Amit, V. 1999. *Constructing the Field.* London: Routledge.
- Bechhofer, F. and L. Paterson. 2000. *Principles of Research Design in the Social Sciences*.

28.10.20

London: Routledge.

- Beteille, A. and T. N. Madan. 1975. *Encounter and Experience.* New Delhi: Vikas.
- Brase, C.H. and Brase, C.P. 2010. *Understandable Statistics*, 10th ed. Boston: Houghton Mifflin Co.
- Burgess, R. G. 1984. *In the Field: An Introduction to Field Research.* London: Routledge.
- Census of India 2011 Government Reports website: Office of the Registrar General and Census Commissioner, India: Ministry of Home Affairs.
- Cochran, W.G. 1977. *Sampling Techniques. New York:* John Wiley & Sons.
- Daniel, W.W. 1999. *Biostatistics.* New York: John Wiley & Sons.
- Ellen, R. F. 1984. *Ethnographic Research: A Guide to General Conduct*. London: Academic Press.
- Epstein, A.L. 1978. *Crafts in Social Anthropology.* Delhi: Hindustan Publishing Corp.
- Foster, G. M. *et al*. 1979. *Long Term Field Research in Social Anthropology*. New York: Academic Press.
- Frelich, M. 1970. *Marginal Natives: Anthropologists at Work.* New York: Harper & Sons.
- Goode, W.J. and P.K. Hatt. 1981. *Methods in Social Research*. Singapore: McGraw-Hill Book Company.
- Herle, A. 1998. *Cambridge and the Torres Strait.* Cambridge: University Press.
- Jongmans, D.G. and P.C.W. Gutkind. 1967. *Anthropologists in the Field*. Assen: Van Gorcum & Company.
- Kertzer I. David and Thomas E. Fricke. 1997. *Anthropological Demography*. Chicago:University of Chicago Press.
- Kumar, Somesh. 2002. *Methods for Community Participation*. New Delhi: Vistaar.
- Levinson, D. and M Ember (eds), 1996. *Ency. of Cultural Anthropology*, Vol.2, New York: Henry, Holt & Co.
- Lyman, O. 2001. *An Introduction to Statistical Methods and Data Analysis*. Duxbury:Wadsworth Group.
- Madrigal, L. 1998. *Statistics for Anthropology*. Cambridge: Cambridge University Press.

- Rao K. Vivweswara. 1996. *Biostatistics: A Manual of Statistical Methods for Use in Health, Nutrition and Anthropology*. New Delhi: Jaypee Brothers Medical Publishers (P) Ltd.
- Russell, Bernard, H. 1995. *Research Methods in Anthropology: Qualitative and Quantitative Approaches*. Walnut Creek, CA: AltaMira Press.
- Sarana, G. 1975. *The Methodology of Anthropology.* New York: The University of Arizona Press.
- Snedecor, G. W. and W.G. Cochran. 1967. *Statistical Methods*. New Delhi: Oxford & IBH Publishing Co. Pvt. Ltd.
- Srinivas, M.N. 1983. *The Observer and the Observed.* Faculty Lecture 1, Faculty of Arts and Social Sciences, University of Singapore.
- Stocking, G.W. 1983. *Observers Observed: Essays on Ethnographic Fieldwork.* Madison: The University of Wisconsin Press.
- Williams, T. R. 1967. *Field Methods in the Study of Culture.* London: Holt, Rinehart and Winston.

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC402	**पाठ्यचर्या का नाम: व्यावहारिक-सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:04	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**52**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**4**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**4**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: व्यावहारिक सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान का उद्देश्य एवं विषय क्षेत्र, क्रियात्मक मानवविज्ञान एवं विकासात्मक मानवविज्ञान, मानवविज्ञान की शिक्षा, मीडिया, पर्यटन, उद्योग में भूमिका

इकाई 2: व्यावहारिक मानवविज्ञान एवं सामाजिक परिवर्तन। आधुनिकता, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण का पारंपरिक समाज पर प्रभाव

इकाई 3: समाज के पिछड़े तबके के उत्थान में मानवविज्ञान की भूमिका, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों, सामाजिक समानता एवं सामाजिक न्याय में मानवविज्ञान की उपयोगिता

इकाई 4: सामुदायिक स्वास्थ्य एवं सामुदायिक विकास में मानवशास्त्रीय ज्ञान की उपयोगिता, लोक एवं आदिवासी सांस्कृतिक विरासत का प्रलेखन एवं संरक्षण

- **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी व्यावहारिक सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान एवं उसकी उपयोगिता के बारे में जानेंगे।
2. वे आधुनिकता, औद्योगिकीकरण और शहरीकरण का पारंपरिक समाज पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जानेंगे।
3. वे समाज के पिछड़े तबके के उत्थान में मानवविज्ञान की भूमिका को समझेंगे
4. वे सामुदायिक विकास में मानवशास्त्रीय ज्ञान की उपयोगिता के बारे में भी जानेंगे।

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** व्यावहारिक सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान का उद्देश्य एवं विषय क्षेत्र 2. क्रियात्मक मानवविज्ञान एवं विकासात्मक मानवविज्ञान 3. मानवविज्ञान की शिक्षा, मीडिया, पर्यटन, उद्योग में भूमिका	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 2	1. व्यावहारिक मानवविज्ञान एवं सामाजिक परिवर्तन 2. आधुनिकता, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण का पारंपरिक समाज पर प्रभाव	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1. समाज के पिछड़े तबके के उत्थान में मानवविज्ञान की भूमिका 2. गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों, सामाजिक समानता एवं सामाजिक न्याय में मानवविज्ञान की उपयोगिता	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 4	1. सामुदायिक स्वास्थ्य एवं सामुदायिक विकास में मानवशास्त्रीय ज्ञान की उपयोगिता, 2. लोक एवं आदिवासी सांस्कृतिक विरासत का प्रलेखन एवं संरक्षण	**13**	**1**	**1**	**15**	**25%**
योग		**52**	**4**	**4**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

28.10.20 28/10/2020

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी**:**

13 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

14 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**

(Text books/Reference/Resources)

- Cassell, J. and S.E. Jacobs, eds. (1987). Handbook on Ethical Issues in Anthropology, AAA Special Publications 23.

28.10.20

- Chambers, E. (1996). Practicing anthropology. Encyclopedia of Cultural Anthropology, ed. D. Levinson and M. Ember, 1009–1014. New York: Henry Holt and Company.
- Doyle, W.R. (2004). A Report on the Field of Anthropology in the United States. New York: WennerGren Foundation.
- Eriksen, T.H. and F.S. Nielsen. (2001). A History of Anthropology. Part of the Anthropology, Culture and Society series, ed. T.H. Eriksen, K. Gardner, and J.P. Mitchell. Sterling, VA: Pluto Press.
- Ervin, A.M. (1990). Applied Anthropology: Tools and Perspectives for Contemporary Practice. Boston: Allyn and Bacon.
- Fiske, S. and E. Chambers. (1996). The inventions of practice. Human Organization 55 (1): 1–12.
- Kedia, S. (2005). Practicing anthropology. Encyclopedia of Anthropology, ed. H.J. Birx.
- Kedia, S. and J. van Willigen, eds. (2005). Applied Anthropology: Domains of Application. Westport, CT: Greenwood Publishing Group.
- Kedia, Satish and Linda Bennett (2005). Applied Anthropology.published on www.researchgate.net Singh,
- Said, Edward W. (1994). Orientalism. New York: Vintage Books.
- Schensul, J.J. and M.D. LeCompte, eds. (1999). Ethnographer's Toolkit, 7 vols. Walnut Creek, CA.: AltaMira Press van
- Willigen, J. (2002). Applied Anthropology: An Introduction. 3rd ed. Westport, CT.: Bergin and Garvey.
- Vidyarthi, L.P. (1968). Applied Anthropology in India, Kitab Mahal Publication, Allahabad, U.P

28.10.20

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC403	**पेपर का नाम : व्यवहारिक जैविक मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:04	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**46**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**09**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1 : मानव आनुवांशिकी, मानव में मेडेलियन आनुवांशिकी; आनुवांशिक सिधान्तों के अध्ययन की पद्धतियाँ : परिवार अध्ययन , यमज अध्ययन , पेडिग्री विश्लेषण , डी .ए .एन .विश्लेषण . जनसंख्या अनुवांशिकी .

इकाई 2 : गुणसूत्र विचलन: संख्यात्मक और संरचनात्मक

इकाई 3 : मानव संवृध्दि और इसके चरण, पोषण और विकास, संवृध्दि को प्रभावित करने वाले कारक, संवृध्दि अध्ययन की प्रविधियाँ, जरण के सिध्दांत.

इकाई 4 : खेल का मानवविज्ञान, पोषण का मानवविज्ञान, न्यायालयिक मानवविज्ञान, शरीरक्रिया मानवविज्ञान।

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1. विद्यार्थी आनुवांशिक पद्धतियाँ के बारे में जानेंगे।
2. वे पेडिग्री विश्लेषण का उपयोग करना सीखेंगे।
3. वे अनुवांशिक बिमारियों के कारण जानेंगे.
4. वे मानव समवृध्दि और इसके चरण सीखेंगे ।
5. वे संवृध्दि अध्ययन की प्रविधियों का उपयोग करना सीखेंगे।
6. वे संवृध्दि को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान कर पायेंगे.

28.10.20

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1.मानव आनुवांशिकी, 2.मानव में मेडेलियन आनुवांशिकी, 3.आनुवांशिक सिधान्तों के अध्ययन की पद्धतियाँ : परिवार अध्ययन , 4.यमज अध्ययन , 5.पेडिग्री विश्लेषण , 6.डी. एन. ए. विश्लेषण . 7.जनसंख्या अनुवांशिकी	12	2	1	15	25%
मॉड्यूल 2	1.गुणसूत्र विचलन संख्यात्मक 2.गुणसूत्र विचलन संरचनात्मक	8	2	1	11	18%
मॉड्यूल 3	1.मानव संवृध्दि और इसके चरण, 2.पोषण और विकास, 3.संवृध्दि को प्रभावित करने वाले कारक, 4.संवृध्दि अध्ययन की प्रविधियाँ, 5.जरण के सिध्दांत.	20	3	2	25	42%
मॉड्यूल 4	1.खेल का मानवविज्ञान, 2.पोषण का मानवविज्ञान, 3.न्यायालयिक मानवविज्ञान, 4.शरीरक्रिया मानवविज्ञान।	06	2	1	09	15%
योग		46	09	05	60	100

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

➢ **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

45. व्याख्यान के विषयों को अच्छी तरह से पहले से बताया जायेगा और प्रत्येक विषय के लिए संदर्भ और पढ़ने

की सामग्री भी प्रदान की जायेगी।

46. यदि पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो विद्यार्थियों को ईमेल/व्हाट्सऐप के माध्यम से व्याख्यान की रूपरेखा प्रसारित की जायेगी की कक्षा में आने से पूर्व उन्हें पढ़ के आए।

47. पूर्व निर्धारित विषय पर आधे घंटे से अधिक समय तक व्याख्यान के पश्चात , विषय के मुख्य बिंदुओं को उजागर कर उन बिंदु पर प्रकाश डाला जायेगा जिस पर अगले आधे घंटे के दौरान चर्चा की जा सकती है।

48. कक्षा का दूसरा भाग प्रश्न-उत्तर सत्र के लिए समर्पित होगा। सभी को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा । प्रश्न पूछना से संचार कौशल कि क्षमता बढेगी. यदि कोई विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछता, तो विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे । इससे यह ज्ञात होगा कि विद्यार्थी क्या सीख चुके हैं ।

49. यदि संतोषजनक ढंग से प्रश्नों का उत्तर देने की स्थिति नहीं होगी, जो कभी-कभी काफी स्वाभाविक है, तो उसे अगली कक्षा के लिए निर्धारित कर ,एक नया विषय शुरू करने से पहले उत्तर दिया जायेगा।

50. पूर्व निर्धारित तारीखों पर लिखित परीक्षा आयोजित करने की बजाय विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन , सेमीनार, सत्रीय पत्र में उनके प्रदर्शन के आधार पर की जायेगी। कुछ लिखित परीक्षाएं, बिना पूर्व सूचना के आयोजित की जायेगी । अघोषित परीक्षण विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में अधिक नियमित और चौकस रहने के लिए मजबूर करेगी।

51. मूल्यांकन प्रक्रिया में पठन (रीडिंग) को जोड़ा जायेगा और प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे पढ़ने की आदत की कमी को दूर किया जाएगा ।

- **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
व्यवहारिक जैविक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	-	X	X

टिप्पणी :

11. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

28.10.20 28/10/2020

➢ **मूल्यांकन/ परीक्षा योजना**

च. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**

- Barua, S. 2002. *Human Genetics.* Kolkata: Classique Books.
- Bogin, Barry. 1999. *Patterns of human growth*. Cambridge University Press.
- Cavalli-Sforza, L., et al. 1994. *The History and Geography of Human Genes*. Princeton:Princeton University Press.
- Conroy, Glenn C. 1997. *Reconstructing Human Origins: A Modern Synthesis.* NewYork: London: W.W. Norton & Company.
- Crawford, M.H. (ed.). 2006. *Anthropological Genetics*. Cambridge: Cambridge University Press.
- Cummings, M.R. 2009. *Human Heredity: Principles & Issues,* Eighth Edition. Belmont, CA:Brooks.
- Griffiths, A. J. F., W.M. Gelbart, J.H. Miller and R.C. Lewontin. 1999. *Introduction to Genetic Analysis*, 7th edition. New York: W H Freeman & Co
- Lewis, R. 2003. *Human Genetics: Concepts and Applications,* 9th Edition. New York: McGraw-Hill Co.
- Hartwell, L.H., et al. 2011. *Genetics: From Genes to Genomes*, 4th Edition. New York:McGraw-Hill.
- Hedric, P.W. 1999. *Genetics of Populations*, 2nd edition. Massachusetts: Jones and Bartlett Publishers.

28.10.20

- Harrison, G.A., Tanner, J.M., Pilbeam, D.R., Baker, P.T. 1988. *Human biology: An introduction to human evolution, variation, growth & adaptability.* Oxford: Oxford University Press.
- Heyward, V.H., Wagner, D.R. 2009. *Applied body Composition Assessment*. Human Kinetics.
- Johnson, F.E., Roche, A.F., Susanne, C. 1980. *Proceeding on Human Physical Growth and Maturation*. Plenum Publishing Corporation.
- Knight, J.C. 2009. *Human Genetic Diversity*. Oxford: Oxford University Press.
- Maynarth, Smith J. 1999. *Evolutionary Genetics*. New York: Oxford University Press.
- Malina, Robert M; Bouchard, Claude, Bar-Or, Oded. 2004. *Growth, maturation & physical activity*. Human Kinetics.
- Noel, Cameron. 2002. *Human Growth and Development*. St. Louis: Academic Press
- Pasternak, J.J. 2005. *An Introduction to Human Molecular Biology*. New Jersey: John Wiley & Sons.
- Palson, Gisli. 2007. *Anthropology and the New Genetics*. Cambridge: Cambridge UniversityPress.
- Reddy, B.M. (ed.). 2008. *Trends in Molecular Anthropology*. Delhi: Kamla-Raj Enterprises.
- Relethford, J.H. 2001. *Genetics and the Search for Modern Human Origins*. New York: Wiley-Liss.
- Speicher, M.R., Antonarakis, S.E. and Motulsky, A.G. 2010. *Vogel and Motulsky's Human Genetics,* 4th Edition. Berlin: Springer-Verlag.
- Templeton, Alan R. 2006. *Population Genetics and Microevolutionary Theory*. New Jersey:John Wiley & Sons.

28.10.20

28/10/2020

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAC404	**पेपर का नाम : क्षेत्रकार्य एवं क्षेत्रकार्य रिर्पोट**	3. क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:04	

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**0**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**5**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**55**
कुल क्रेडिट घंटे	60

<u>पाठ्यचर्या विवरण</u>

1. विभाग द्वारा चयनित स्थान में न्युनतम तीन सप्ताह का क्षेत्रकार्य।
2. (क) क्षेत्रकार्य रिर्पोट का मुख्य पृष्ठ
    - क्षेत्रकार्य का शीर्षक क्रमशः हिंदी एवं अंग्रेजी में
    - एम.ए. उपाधि हेतु प्रस्तुत क्षेत्रकार्य रिर्पोट
    - विद्यार्थी एवं क्षेत्र-कार्य निर्देशक का नाम
    - विश्वविद्यालय का 'लोगो'
    - प्रस्तुति वर्ष
    - विभाग एवं विश्वविद्यालय का क्रमशः पूरा नाम

(ख) शोध प्रबंध (संदर्भ पद्धति : APA, कोकिला/यूनीकोड, फॉन्ट साइज-16, दो लाइनों के बीच की दूरी 1.5). क्षेत्रकार्य रिर्पोट तथा सोफ्टकॉपी (सी.डी. में पी.डी.एफ.) की तीन प्रतियां.

(ग) शोध-प्रबंध का प्रस्तावित प्रारूप:

i.घोषणा-पत्र/प्रमाणपत्र (विद्यार्थी एवं क्षेत्रकार्य निर्देशक की ओर से एक ही होगा)

ii. विषयानुक्रमणिका

iii.संक्षिप्ताक्षर (यदि आवश्यक हो)

iv. अध्यायवारमूल अतर्वस्तु

v. संदर्भ सूची

vi. परिशिष्ट (यदि आवश्यकता हो)

28.10.20

3. मौखिकी (प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिकी हेतु न्युनतम बीस मिनट प्रदान किए जाएंगे, पीपीटी प्रस्तुतीकरण अपेक्षित होगा)

अपेक्षित अधिगम परिणाम

- विद्यार्थी क्षेत्रकार्य करना सीखेंगे।
- विद्यार्थी क्षेत्रकार्य के दौरान आंकड़े एकत्रित करने की विभिन्न प्रविधियां एवं तकनीकों का प्रयोग करना सीखेंगे।
- विद्यार्थी आंकड़ो का विश्लेषण और प्रस्तुतिकरण करना सीखेंगे।
-

➢ **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
क्षेत्रकार्य एवं क्षेत्रकार्य रिपोर्ट पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी :

12. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

➢ **मूल्यांकन/ परीक्षा योजना**

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

	एम. ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAE401	**पाठ्यचर्या का नाम : विकासात्मक मानवविज्ञान**	क्रेडिट: 04
	सेमेस्टर:04	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**41**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**7**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	**12**
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या विवरण

इकाई- 1. व्यावहारिक, क्रियात्मक एवं विकासात्मक मानवविज्ञान : विकास: अर्थ तथा अवधारणा की उत्पत्ति; विकास का सूचकांक (Index) एवं मापन मानव विकास सूचकांक (Human Development Index), विकासात्मक मानवविज्ञान की संकल्पनात्मक रूपरेखा; व्यावहारिक, क्रियात्मक एवं विकासात्मक मानवविज्ञान: अर्थ, अध्ययन क्षेत्र तथा उभरती प्रवृत्ति।

इकाई- 2. नीति, योजना और मानवविज्ञान : विकासात्मक अध्ययन में मानवविज्ञान का योगदान; विकासात्मक मानवविज्ञान के नैतिक मुद्दे एवं सीमायें (Ethical Issues and Imitations of Development Anthropology) I विकास योजनाओं में मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण, लोक केन्द्रित एवं कार्यक्रम केन्द्रित प्रतिमान (People Centered and Programmer Centered Paradigm), विकास में सहभागी दृष्टिकोण (Participatory Approach in Development)।

इकाई- 3. सतत विकास : पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, लोगों की चिंता और आवश्यकता; सतत विकास- 2030.

इकाई- 4. विकास विस्थापन एवं पुनर्वास नीतियां; पुनर्वास में मानवीय कारक: मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य।

2. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

5. मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण से विकास की अवधारणा को समझ पायेंगे।
6. विकास के विभिन्न मॉडल से परिचित होंगे।
7. सतत विकास के विभिन्न पहलुओं के बारे में जान पायेंगे।

8. विकाश, विस्थापन और पुनर्वास नीतियों से परिचित होंगे।

3. पाठ्य चर्चा की अंतर्वस्तु (Contents of the course)

मॉडयूल संख्या	विवरण	व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्चाओं में प्रतिशत अंश
मॉड्यूल 1	1.विकास की अवधारणा एवं संकल्पना 2.व्यावहारिक क्रियात्मक एवं विकासात्मक मानवविज्ञान	8	1	1	10	17 %
मॉड्यूल 2	1.विकासात्मक अध्ययन और मानवविज्ञान 2. विकासात्मक मानवविज्ञान 3.विकास योजनायें और मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण 4. लोक केन्द्रित एवं कार्यक्रम केन्द्रित प्रतिमान	12	3	5	20	33 %
मॉड्यूल 3	1. सतत विकास 2. सतत विकास का लक्ष्य 2030	7	1	2	10	17 %
मॉड्यूल 4	1.विकास और विस्थापन 2.विस्थापन से जुड़े सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक मुद्दे 3.पुनर्वास नीति	14	2	4	20	33 %
योग		**41**	**7**	**12**	**60**	**100**

अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

28.10.20

28/10/2020

4. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा
विधियाँ	कक्षा एवं विद्यार्थियों से संवाद
तकनीक	व्याख्यान
उपादान	दृशयात्मक, पुस्तकें एवं पी.पी.टी

5. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x	x	x	x	x	x	x

टिप्पणी:

15 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

16 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

28.10.20 28/10/2020

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

7. अध्ययन हेतु आधार/ सन्दर्भ ग्रन्थ (Text Book/ Reference/ Resources)

- Arce, Alberto and N. Long. 1999. *Anthropology, Development and Modernities.* London: Routledge.
- Bardhan, P. 1995. *Development and Change.* Delhi: OUP.
- Cochrane, G. 1971. *Development Anthropology.* Delhi: Kitab Mahal.
- Desai, A.R. 1984. *India's Path to Development.* Bombay: Popular Prakashan.
- Dreze, J and A. Sen. 1996. *Indian Development*. New Delhi: OUP.
- Dube, S.C. 1990. *Tradition and Development.* New Delhi: Vikas.
- Hobart, M. 1993. *An Anthropological Critique of Development: The Growth of Ignorance.*
- Mayer, R. 1985. *Policy and Programme Planning.* New Jersey: Prentice-hall.
- Pathy, J. 1987. *Anthropology of Development.* Delhi: Gian Publishing House.
- Pitt-David, C. (ed.) 1976. *Development from Below: Anthropologists and DevelopmentSituation*. Chicago: The Hague: Mouton.
- Sardan, Jean-Pierre Olivier de. 2005. *Anthropology and Development: UnderstandingContemporary Social Change*. London: Zed Books.
- So, A.Y. 1990. *Social Change and Development.* New Delhi: Sage Publications.
- Streeten, P.P. 1995. *Thinking about Development*. Cambridge: Cambridge University Press.
- Subba, T. B. 1992. *Ethnicity, State and Development*. New Delhi: Vikas.
- Vidyarthi, L.P. 1980. *Applied Anthropology and Development in India*. New Delhi: National.

	एम.ए. मानवविज्ञान	
कोड: ANMAE402	**पाठ्यचर्या का नाम: साहित्य का मानवविज्ञान**	3. क्रेडिट: 02
	सेमेस्टर:04	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	2
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य / कौशल विकास गतिविधियाँ	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

पाठ्यचर्या विवरण

इकाई 1: साहित्य एवं नृजातिवर्णन: अंतरसंबंध एवं निरंतरता, नृजातिवर्णन के स्रोत के रूप में साहित्य। साहित्य में वर्णित समाज, संस्कृति एवं अन्य प्रथाओं का मानवशास्त्रीय परीक्षण

इकाई 2: चयनित उपन्यास, काव्य, कहानी संग्रह के माध्यम से समकालीन समाज पर रिपोर्ट लेखन

➢ **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:**

1.विद्यार्थी साहित्य एवं नृजातिवर्णन के मध्य के अंतरसंबंध एवं निरंतरता के बारे में जानेंगे।

2. वे साहित्य में वर्णित समाज, संस्कृति एवं अन्य प्रथाओं का मानवशास्त्रीय परीक्षण करेंगे

3.वे चयनित उपन्यास, काव्य, कहानी संग्रह के माध्यम से समकालीन समाज पर रिपोर्ट लेखन करेंगे

➢ **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. साहित्य एवं नृजातिवर्णन: अंतरसंबंध एवं निरंतरता	13	1	1	15	50%

	2. नृजातिवर्णन के स्रोत के रूप में साहित्य 3. साहित्य में वर्णित समाज, संस्कृति एवं अन्य प्रथाओं का मानवशास्त्रीय परीक्षण					
मॉड्यूल 2	1. चयनित उपन्यास, काव्य, कहानी संग्रह के माध्यम से समकालीन समाज पर रिपोर्ट लेखन	**13**	**1**	**1**	**15**	**50%**
योग		**26**	**2**	**2**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलअवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	उचित मुद्दे की पहचान	समस्या निराकरण कौशल	नैतिक व्यवहार	आई सी टी कौशल	संचार कौशल
	x	x				x	x	x

टिप्पणी:

17 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

18 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

28.10.20 28/10/2020

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

➢ **अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ**

(Text books/Reference/Resources)

- नगेंद्र (1982) साहित्य का समाजशास्त्र. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली
- जैन, निर्मला (1992) साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- सिंह, बच्चन (1998) साहित्य का समाजशास्त्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- नारायण, बद्री & अनन्त राम (1997) साहित्य और सामाजिक परिवर्तन. वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- Clifford, James and George E. Marcus. (1986). Writing culture : the poetics and politics of ethnography : a School of American Research advanced seminar. Berkeley :University of California Press
- Iser, Wolfgang (1978) The Act of Reading. Baltimore: Johns Hopkins University Press
- Sangren, P. Steven (1988) Rhetoric and the Authority of Ethnography: "Postmodernism" and the Social Reproduction of Texts. Current Anthropology

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

28.10.20

पी-एच. डी. कोर्स वर्क पाठ्यक्रम की संशोधित पाठ्यचर्या
(अध्यादेश क्र. 45/2020 के अनुसार)

दिनांक 27/08/2020 को आयोजित पी-एच.डी पाठ्यचर्या के निर्माण के लिये गठित समिति की बैठक में संशोधित पाठ्यचर्या निम्नानुसार है-

1. प्रश्नपत्र 1: Fundamental of Research Methodology *2 क्रेडिट*
   आधारभूत शोध पद्धति शास्त्र
   टिप्पणी- 04/09/2014 को आयोजित बैठक मेंअध्ययन मंडल द्वारा अनुमोदित इस प्रश्नपत्र को सम्मिलित किया जाता है।

2. प्रश्नपत्र 2: Research and Publication Ethics *2 क्रेडिट*
   शोध तथा प्रकाशन की नैतिकता
   टिप्पणी:यू.जी.सी. द्वारा जारी उक्त प्रश्नपत्र को सम्मिलित किया जाता है।

पी-एच.डी. मानवविज्ञान, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 02
शोध एवं प्रकाशन नैतिकता (मूल) (क्रेडिट - 02)

सिद्धांत

इकाई-1 दर्शन एवं नैतिकता

- दर्शन का परिचय: परिभाषा, प्रकृति और कार्यक्षेत्र, अवधारणा, शाखाएँ
- नैतिकता: परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक निर्णय और प्रतिक्रियाओं की प्रकृति

इकाई-2 वैज्ञानिक आचार

- विज्ञान और अनुसंधान के संबंध में नैतिकता
- बौद्धिक ईमानदारी एवं शोध निष्ठा
- वैज्ञानिक कदाचार :मिथ्याकरण, ज़ालसाज़ी और साहित्यिक चोरी)FFP)
- निरर्थक प्रकाशनप्रकाशन डुप्लिकेट और ओवरलैपिंग :, सलामी स्लाइसिंग (salami slicing)
- चयनात्मक रिपोर्टिंग और आकड़ों का मिथ्यानिरूपण

इकाई-3 प्रकाशन नैतिकता

- प्रकाशन नैतिकता : परिभाषा, परिचय और महत्त्व
- पहल और दिशानिर्देश संबंधी सर्वोत्तम अभ्यास / मानक : COPE, WAME, इत्यादि।

- रुचि संबंधी संघर्ष
- प्रकाशन कदाचार : परिभाषा, अवधारणा, अनैतिक व्यवहार और इससे बचने संबंधी समस्याएँ, प्रकार
- प्रकाशन नैतिकता, लेखक और योगदानकर्ता का उल्लंघन
- प्रकाशन कदाचार शिकायतों और अपील की पहचान
- लुटेरे प्रकाशक और पत्रिकाएँ

अभ्यास

इकाई-4 ओपन एक्सेस प्रकाशन

- ओपन एक्सेस प्रकाशन और उपक्रम
- प्रकाशक कॉपीराइट और स्व-अभिलेखीय नीतियों की जाँच करने के लिए SHERPA / RoMEO ऑनलाइन संसाधन
- लुटेरे प्रकाशनों की पहचान करने के लिए SPPU द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर टूल
- जर्नल फाइंडर / पत्रिका सुझाव उपकरण अर्थात JANE, एल्सेवियर जर्नल फाइंडर, स्प्रिंगर जर्नल सुझावक, इत्यादि।

इकाई-5 प्रकाशन कदाचार

अ. समूह चर्चा

- विषय विशेष के नैतिक मुद्दे, FFP, ग्रंथकारिता (authorship)
- रुचि संबंधी संघर्ष
- शिकायतें और अपील : भारत और विदेश से उदाहरण और धोखाधड़ी

ब. सॉफ्टवेयर उपकरण

साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर जैसे टर्निटिन, उरकुंड और अन्य खुले स्रोत सॉफ़्टवेयर उपकरण का उपयोग

इकाई-6 डेटाबेस एवं शोध मेट्रिक्स

अ. डेटाबेस

- सूचीकरण डेटाबेस
- उद्धरण डेटाबेस : वेब ऑफ़ साइंस, स्कोपस इत्यादि।

ब. सॉफ्टवेयर उपकरण

- जर्नल उद्धरण रिपोर्ट, SNIP, SJR, IPP, साइट स्कोर के अनुसार जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टर
- मेट्रिक्स : एच-इंडेक्स, जी-इंडेक्स, आई-10 इंडेक्स, अल्टमेट्रिक्स

प्रायोगिकी/गृह कार्य :

- शोध संबंधी नैतिक मुद्दों को लिखना।
- शोध संबंधी नैतिक समस्याओं को सूचीबद्ध करना।
- प्रकाशन संबंधी नैतिक मुद्दों को स्पष्ट करना।
- प्रकाशन संबंधी कदाचार को सूचीबद्ध करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- शोधार्थी शोध संबंधित दार्शनिक व नैतिक मुद्दों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध संबंधी वैज्ञानिक आचार से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन नैतिकता से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन के ओपन एक्सेस उपक्रम से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन संबंधी कदाचार को जानेंगे।
- शोधार्थी डेटाबेस और शोध मेट्रिक्स से परिचित होंगे।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

- Bird, A. (2006). *Philosophy of Science.* Routledge.
- Macintyre, Alasdair. (1967). *A Short History of Ethics.* London
- Chaddah, P. (2018). Ethics in Competitive Research: Do not get scooped do not get plagiarized. ISBN 978 9387480865
- National Academy of Sciences, National Academy of Engineering and Institute Medicine. (2009). *On Being a Scientist: A Guide to Responsible Conduct in Research. Third Edition*. National Academies Press.

28.8.20

- Resnik, D. B. (2011). What is ethics in research & why is it important. *National Institute of Environmental Health Sciences,* 1-10. Retrieved from https://www.nichs.nih.gov/research/resources/bioethics/whatis/index.cfm
- Beall, J. (2012). Predatory publishers are corrupting open access. *Nature, 489(7415),* 179-179.
- https://doi.org/10.1038489179a
- Indian National Science Academy (INSA). Ethics in Science Education, Research and Governance (2019), ISBN : 978-51-939482-1-7 .
  http://www.insaindia.res.in/pdf/Ethics_Book.pdf

3. प्रश्नपत्र3:Research Method in Anthropology *4 क्रेडिट*

   मानवविज्ञान में शोध प्रविधियां

टिप्पणी- 04/05/2018 को आयोजित बैठक में अध्ययन मंडल द्वारा अनुमोदित इस प्रश्नपत्र को सम्मिलित किया जाता है।

4. प्रश्नपत्र 4 :Computer Application *4 क्रेडिट*

   कम्प्यूटर अनुप्रयोग

टिप्पणी- इस प्रश्नपत्र का अध्यापन लिला विभाग द्वारा किया जाएगा।

5. प्रश्नपत्र 5 : Subject specific paper *4 क्रेडिट*

   विषय संबंधित प्रश्नपत्र

निम्नलिखित प्रश्नपत्रों में से किसी एक का अध्ययन- अध्यापन किया जाना है-

1. Perspective and Approaches in Anthropology (मानवविज्ञान का परिप्रेक्ष एवं दृष्टिकोन) *4 क्रेडिट*

   OR / अथवा

2. Qualitative and Quantitative data Analysis (गुणात्मक और गणनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण) *2+2=4 क्रेडिट* (प्रश्नपत्र चार क्रेडिट का होगा एवं गुणात्मक एवं गणनात्मक दोनों ही भागो को करना अनिवार्य होगा)

टिप्पणी- 04/05/2018 को आयोजित बैठक में अध्ययन मंडल द्वारा अनुमोदित इस प्रश्न पत्र को सम्मिलित किया जाता है।

6. अंतर अनुशासनिक अध्ययन (ऐच्छिक) *4 क्रेडिट*

अन्य विभाग के शोधार्थी जिन्होंने अंतर अनुशासनिक पाठ्यचर्या हेतु मानवविज्ञान विषय का चयन किया है उनके लिए निम्नलिखित दो प्रश्नपत्रों में से विभाग द्वारा किसी एक प्रश्नपत्र का अध्ययन-अध्यापन किया जाएगा।

a. Perspective and Approaches in Anthropology

   मानवविज्ञान का परिप्रेक्ष्य एवं दृष्टिकोण

   OR / अथवा

b. Qualitative and Quantitative data Analysis
गुणात्मक और गणनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण
प्रश्नपत्र चार क्रेडिट का होगा तथा गुणात्मक एवं गणनात्मक दोनों ही भागो को करना अनिवार्य होगा।)

टिप्पणी- 04/05/2018 को आयोजित बैठक में अध्ययन मंडल द्वारा अनुमोदित इस प्रश्नपत्र को सम्मिलित किया जाता है। मानवविज्ञान विभाग के शोधार्थी वैकल्पिक विषय के रूप में जनसंचार, समाजशास्त्र, समाजकार्य, जनजाति अध्ययन, गांधी एवं शांति अध्ययन, शिक्षा, भाषा, साहित्य इन में से कोई एक विषय का चयन कर सकते है।

क्रेडिट
16 क्रेडिट अनिवार्य
04 क्रेडिट वैकल्पिक

7. Research Associateship *5 क्रेडिट (अतिरिक्त)*
कोर्स वर्क उत्तीर्ण होने के उपरांत शोधार्थी द्वारा किये जाने वाले संबंधित कार्य -
   a. अध्यादेशक्र. 45/2020 के बिंदूक्र. 21.1 के अनुसरण में शोधार्थी द्वारा प्रकाशित किए गये शोध पत्रों की प्रस्तुती विभागीय समिति के समक्ष करना पडेगा।
   b. अपने शोध विषय के अतिरिक्त समय-समय पर शोध निर्देशक एवं विभाग द्वारा निर्देशित किये गए शोध/ परियोजना/ क्षेत्रकार्य संबंधित कार्य को करना होगा।

8. Teaching Associateship*5 क्रेडिट (अतिरिक्त)*
कोर्स वर्क में उत्तींण होने के उपरांत विभाग द्वारा आवंटित कक्षाये, शैक्षणिक तथा विभागीय गतिविधियों से संबंधित कार्य शोधार्थी द्वारा किया जाएगा।